Website : www.mantrabharat.com

जुनून है सच लिखने का

हिन्दी दैनिक

E-Mail : mantragwalior@gmail.com

संस्करण : ग्वालियर
वर्ष : 03
अंक : 46
पृष्ठ : 6
मूल्य : 2.00
सोमवार,15 सितम्बर 2025

मंत्र भारत

ग्वालियर, मुम्बई, लखनऊ एवं प्रयागराज,से एक साथ प्रकाशित एवं गोरखपुर, वाराणसी, आजमगढ़ से प्रसारित

3 स्टार्टअप कॉन्क्लेव का शुभारंभ,डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक 4 पड़ोंसी देशों का हाल और भारत 5 इस वजह से बच्चों की फोटो नहीं खिंचवाना चाहतीं

'अब असम में बांस से बनेगा एथेनॉल'

आत्मनिर्भर भारत अभियान का केंद्र है पूर्वोत्तर :पीएम

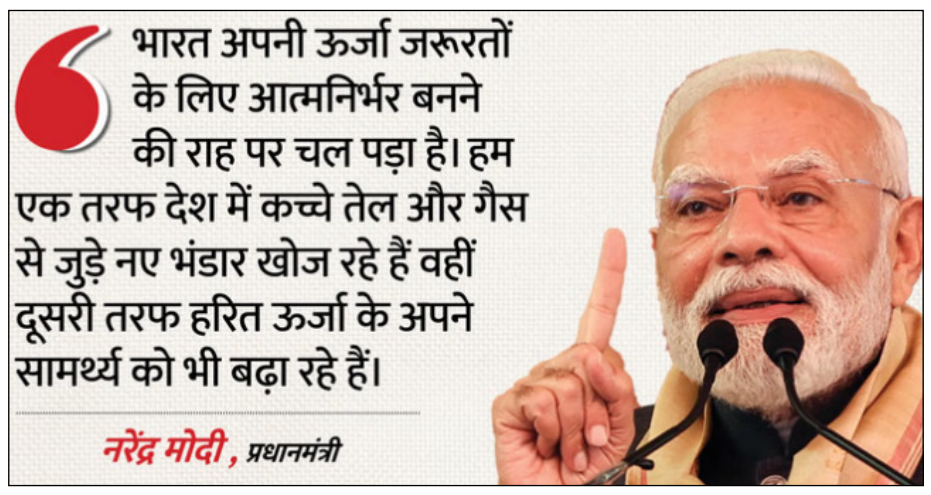

गुवाहाटी : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को असम में नुमालीगढ़ रिफाइनरी लिमिटेड (एनआरएल) में असम बायो एथेनॉल संयंत्र का उद्घाटन किया और नुमालीगढ़ रिफाइनरी लिमिटेड (एनआरएल) में पॉलीप्रोपाइलीन संयंत्र की आधारशिला भी रखी। पीएम मोदी ने कहा कि आज यहां बांस से एथेनॉल बनाने की शुरूआत हुई है। इसका असम के लोगों को फायदा होगा। सरकार यहां के किसानों को बांस की खेती करने में मदद करेगी और खरीदी भी करेगी। असम और पूर्वोत्तर आत्मनिर्भर भारत अभियान का केंद्र है। पीएम मोदी ने कहा कि असम में पीएम मोदी ने कहा कि असम को 12 हजार करोड़ की सौगात दी गई है। ये उद्यम असम के विकास को गति देंगे। मैं सभी को प्रोजेक्ट्स के लिए बधाई देता हूं। भारत दुनिया का सबसे तेजी से विकसित होने वाला देश है। जैसे-जैसे भारत विकसित हो रहा है, वैसे-वैसे बिजली, ईंधन की जरूरतें बढ़ रही हैं। हम इन चीजों के लिए विदेशों पर निर्भर रहे हैं। हमारे पैसों से विदेशों में रोजगार बनते हैं। इसको बदला जाना जरूरी है। भारत आत्मनिर्भर बनने की राह पर बढ़ चला है। मेक इन असम और मेक इन इंडिया की नींव मजबूत हो रही है: पीएम मोदी उन्होंने कहा कि वो दिन भूलने नहीं है कि पिछली सरकार बांस काटने पर जेल में डाल देती थी। बांस आदिवासियों की रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा है। हमारी सरकार से बांस काटने से बैन हटा दिया। आज यह फैसला पूर्वोत्तर के लोगों को फायदा पहुंचा रहा है। मेक इन असम और मेक इन इंडिया की नींव मजबूत होने वाली है। अब असम की पहचान में पॉलीप्रोपाइलीन से बने उत्पाद होंगे। असम आत्मनिर्भर भारत अभियान का केंद्र है। असम को हमने बहुत बड़े अभियान के लिए चुना है। यह अभियान है सेमी कंडक्टर मिशन। उन्होंने कहा कि गुलामी के दौर में असम की उतनी पहचान नहीं थी। अब असम की मिट्टी और लोगों ने असम को ग्लोबल ब्रांड बना दिया है। भारत को आत्मनिर्भर होने के लिए ऊर्जा और सेमीकंडक्टर चाहिए। असम की इसमें बड़ी भूमिका है। आज हर इलेक्ट्रॉनिक चीज की आत्मा छोटी चिप में होती है। यह चिप भारत में ही बनेगी। सेमी कंडक्टर का बड़ा आधार असम को बनाया है। असम में 27 हजार करोड़ से प्रोजेक्ट बन रहा है। कांग्रेस ने असम में कई दशकों तक सरकार चलाई है। कांग्रेस ने असम को कुछ नहीं दिया। 'भाजपा असम को विकास और विरासत से समृद्ध बना रही' पीएम मोदी ने कहा कि पीएम मोदी ने कहा कि भाजपा असम को विकास और विरासत से समृद्ध बना रही है। असम की भाजपा सरकार नई शिक्षा नीति लागू कर रही है। कांग्रेस ने पूर्वोत्तर के महान सपूतों को सम्मान नहीं दिया। कांग्रेस ने कभी योद्धाओं को सम्मान नहीं दिया। भाजपा ने इनको सम्मान दिया। कांग्रेस ने जिसकी उपेक्षा की हम उसे अग्रिम पंक्ति में लेकर चल रहे हैं। असम में हमारी सरकार मां कामाख्या कॉरिडोर बना रही है। अब असम में पर्यटन का दायरा बढ़ रहा है। पीएम मोदी ने घुसपैठ का मुद्दा उठाते हुए कहा कि असम के सामने सबसे बड़ी चुनौती घुसपैठ है। कांग्रेस ने असम में घुसपैठ को बढ़ावा दिया है। आदिवासियों की जमीनें घुसपैठियों को दे दी गईं। भाजपा सरकार असम के लोगों के साथ मिलकर घुसपैठियों का मुकाबला कर रही है। घुसपैठियों से जमीन मुक्त करा रही है। आदिवासियों और लाखों परिवारों को भूमि के पट्टे दिए जा रहे हैं।

- पीएम मोदी ने असम में नुमालीगढ़ रिफाइनरी लिमिटेड (एनआरएल) में असम बायो एथेनॉल संयंत्र का उद्घाटन किया और नुमालीगढ़ रिफाइनरी लिमिटेड (एनआरएल) में पॉलीप्रोपाइलीन संयंत्र की आधारशिला भी रखी। उन्होंने कहा कि असम को 12 हजार करोड़ की सौगात दी गई है।

संक्षिप्त खबरे

पौड़ी में तेंदुए ने चार साल की बच्ची पर किया हमला

उत्तराखंड: वर्मा ने बताया कि वन विभाग की एक टीम को इलाके में तैनात किया गया है, जहां तेंदुए को पकड़ने के लिए दो पिंजरे लगाए गए हैं। उन्होंने बताया कि तीन और पिंजरे लगाए जा रहे हैं। उत्तराखंड के पौड़ी जिले के चौबट्टाखाल क्षेत्र में एक तेंदुए ने चार साल की बच्ची पर हमला कर दिया, जिससे उसकी मौत हो गई। एक वन अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। एक अधिकारी ने बताया कि शुक्रवार शाम रिया अपने घर की बालकनी में खेल रही थी तभी तेंदुआ उस पर झपटा और उसे घसीटकर ले गया। गढ़वाल के वन संरक्षक आकाश वर्मा ने बताया कि बच्ची की मां शोर मचाते हुए तेंदुए के पीछे दौड़ी, लेकिन तेंदुए ने बच्ची को घर से लगभग 50 मीटर दूर एक खेत में छोड़ दिया और भाग गया। जब तक परिवार के लोग मौके पर पहुंचे, बच्ची मर चुकी थी।

जौनपुर में गोली मारकर दो सगे भाइयों की हत्या

जौनपुर । पुलिस अधीक्षक ने बताया कि इस हमले में शाहजहां की मौके पर ही मौत हो गई जबकि जहांगीर ने अस्पताल ले जाते समय रास्ते में दम तोड़ दिया। पुलिस ने मौके पर पहुंच कर शवों को कब्जे में ले लिया और घटना की जांच शुरू कर दी है। उत्तर प्रदेश के जौनपुर जिले में मुंगराबादशाहपुर थाना क्षेत्र के रामनगर में दो भाइयों की कथित तौर पर गोली मारकर हत्या कर दी गई। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार यह घटना शनिवार रात करीब दस बजे हुई और घटना की सूचना पर आला अधिकारी मौके पर पहुंचे। पुलिस अधीक्षक डॉ कौस्तुभ ने बताया कि मझगवां निवासी शाहजहां (60) और जहांगीर (48) दोनों सगे भाई थे और मोटरसाइकिल से मुंगरा बादशाहपुर आए थे। वह शनिवार देर रात वापस अपने घर जा रहे थे, तभी करीब दस बजे रास्ते में रामनगर के पास पहले से ही घात लगाए मोटरसाइकिल सवार बदमाश ने उन पर गोलियां चलाईं।

मुरादाबाद में मां की डांट से आहत 12 वर्षीय लड़के ने खुदकुशी की

मुरादाबाद। पुलिस के अनुसार, शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है और फिलहाल किसी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज नहीं की गई है। कोतवाली थाना प्रभारी देवेंद्र सिंह ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

उत्तर प्रदेश में मुरादाबाद जिले के मानपुर क्षेत्र में 12 वर्षीय लड़के ने कथित तौर पर मां की डांट के बाद फांसी लगाकर जान दे दी। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। मृतक की पहचान छठी कक्षा के छात्र कृष्णा के रूप में हुई है। लड़के की मां निशा ने पुलिस को बताया कि उन्होंने शनिवार दोपहर किसी बात को लेकर अपने बेटे को डांटा और उसे कमरे में बंद कर अपने काम पर चली गईं। शाम को घर लौटने पर उन्हें बेटा फंदे से लटका मिला। वह पीतल के कारखाने में काम करती हैं। निशा अपने इकलौते बेटे के साथ किराए के घर में रहती थीं। उन्होंने बताया कि उनके पति सुनील शराब की लत के शिकार हैं और हाल में झगड़े के बाद घर छोड़कर चले गए थे। निशा ने पुलिस को यह भी बताया कि कृष्णा पहले भी पिता के हिंसक व्यवहार से परेशान होकर जान देने की धमकी दे चुका था।

पीएम मोदी के नेतृत्व में 11 साल में जवाबदेह सरकार की राजनीति हुई : नड्डा

विशाखापत्तनम : भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने रविवार को कहा कि 14 करोड़ सदस्यों के साथ भाजपा दुनिया की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी बन गई है। उन्होंने कहा कि भाजपा में दो करोड़ सक्रिय सदस्य हैं। जेपी नड्डा ने बताया कि पार्टी के देश भर में 240 लोकसभा सदस्य, लगभग 1,500 विधायक और विधान परिषदों में 170 से ज्यादा सदस्य हैं। केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम में एक रैली को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार की सराहना की। उन्होंने कहा, 'हम (भाजपा) 14 करोड़ सदस्यों के साथ दुनिया की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी हैं। भारत के 20 राज्यों में राजग और 13 राज्यों में भाजपा की सरकारें हैं। हम देश की सबसे बड़ी प्रतिनिधि पार्टी हैं। हमारे 240 सांसद (लोकसभा) हैं। हमारे लगभग 1,500 विधायक हैं। हमारे विधान परिषदों में 170 से ज्यादा सदस्य हैं।' 11 साल में जवाबदेह सरकार की राजनीति हुई- नड्डा जेपी नड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में 11 साल में कार्य-निष्पादन और जवाबदेह सरकार की राजनीति हुई है जबकि पिछली सरकारों में अकार्य-निष्पादन की राजनीति थी और उन्होंने विकास कार्य नहीं किए। उन्होंने कहा कि पिछली सरकारें घोषणापत्रों में किए गए वादों को भी भूल गई थीं। 'पहले परिवारवाद, भ्रष्टाचार और तुष्टीकरण की राजनीति थी' केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि पहले परिवारवाद, भ्रष्टाचार और तुष्टीकरण की राजनीति थी। भाजपा अध्यक्ष ने कहा, 'हम एक ऐसी पार्टी से आते हैं जिसका एक वैचारिक आधार है।' जेपी नड्डा ने आंध्र प्रदेश में किए गए विकास कार्यों का जिक्र करते हुए कहा कि केंद्र ने राजधानी अमरावती के निर्माण के लिए 15,000 करोड़ रुपये प्रदान किए हैं। 1987 के अपने वादे को हमने पूरा किया- जेपी नड्डा इस दौरान जेपी नड्डा ने कहा- 1987 में, हमने राम मंदिर निर्माण का मार्ग प्रशस्त करने का संकल्प लिया था। 2024 तक, हमने उस वादे को पूरा किया और अयोध्या में राम मंदिर का सफलतापूर्वक निर्माण किया।

भिखारियों के आश्रयगृह में सुनिश्चित हो गरिमापूर्ण जीवन', कोर्ट ने राज्यों को दिया निर्देश

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि भिखारियों के लिए राज्य द्वारा संचालित आश्रयगृह कोई ऐच्छिक दान नहीं, बल्कि एक जिम्मेदारी है। कोर्ट ने निर्देश दिए कि ऐसे केंद्रों में गरिमापूर्ण जीवन अनिवार्य रूप से सुनिश्चित किया जाए। यह आदेश दिल्ली के सीलमपुर में भिखारियों के आश्रयगृह में हैजा और बीमारी के मामले के बाद आया है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि भिखारियों के लिए राज्य संचालित आश्रयगृह (बेगर्स होम) कोई इच्छा से दिया गया दान नहीं नहीं है, बल्कि यह एक सांविधानिक जिम्मेदारी है। शीर्ष कोर्ट ने निर्देश दिया कि इन आश्रयगृहों में गरिमापूर्ण जीवन की स्थितियां लगातार सुनिश्चित की जानी चाहिए। जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस आर महादेवन की बेंच ने कहा कि सभी राज्य और केंद्र शासित प्रदेश अपने नियंत्रण में भिक्षावृत्ति करने वाले के लिए बने आश्रयगृहों और इसी तरह के संस्थानों में सुधारों को लागू करें, ताकि समाज के इस सबसे कमजोर वर्ग के लिए गरिमा के साथ जीवन जीने का सांविधानिक अधिकार सही मायने में सुनिश्चित हो सके। बेंच ने कहा कि ऐसे आश्रयगृहों में मानवीय परिस्थितियां बनाए रखने में विफलता के वल प्रशासन की लापरवाही नहीं है, बल्कि यह जीवन के साथ गरिमा के मौलिक अधिकार का उल्लंघन है। शीर्ष कोर्ट ने कहा कि गरीब और बेसहारा लोगों के प्रति राज्य की जिम्मेदारी सकारात्मक होनी चाहिए। भिखारियों का आश्रयगृह राज्य संचालित एक सांविधानिक ट्रस्ट है, न कि किसी की इच्छा पर आधारित दया। इसके संचालन में सांविधानिक नैतिकता यानी स्वतंत्रता, निजता और गरिमापूर्ण जीवन की शर्तें प्रतिबिंबित होनी चाहिए।

एथेनॉल के कारण ही जिंदा है चीनी उद्योग'

इस विकल्प से गन्ना किसानों को मिलेगी राहत :गडकरी

मुंबई : केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने पुणे में कहा कि भारत की सभा चीनी उद्योग एथेनॉल की वजह से ही बचा है। उन्होंने किसानों की आत्महत्या के पीछे पानी की कमी को बड़ी वजह बताया और खेती में तकनीक अपनाने पर जोर दिया। गडकरी ने कहा कि एथेनॉल से न केवल चीनी उद्योग को सहारा मिला है, बल्कि ईंधन आयात का बोझ भी घटेगा। पुणे में एक कार्यक्रम के दौरान केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि भारत की चीनी उद्योग एथेनॉल की वजह से ही जिंदा बचा हुआ हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि अगर एथेनॉल का विकल्प सामने नहीं आता तो गन्ना किसान और चीनी मिलें बड़ी मुश्किल में होतीं। गडकरी ने यह भी कहा कि खेती में नई तकनीकों को अपनाना जरूरी है ताकि किसानों को भविष्य में पानी और लागत से जुड़ी परेशानियों का सामना न करना पड़े। गडकरी ने महाराष्ट्र के विदर्भ और मराठवाड़ा में किसानों की आत्महत्या की मुख्य वजह पानी की कमी बताई। उन्होंने कहा कि अगर किसानों को पर्याप्त पानी मिलता तो उन्हें इतना बड़ा कदम नहीं उठाना पड़ता। इस मौके पर गडकरी ने नाम फाउंडेशन के काम की सराहना की। यह संस्था नाना पाटेकर और मकरंद अनासपुरे के नेतृत्व में किसानों के बच्चों और जल संरक्षण के लिए काम करती है। खेती में तकनीक की जरूरत भाजपा नेता गडकरी ने जोर देकर कहा कि खेती में तकनीक को लाना अब अनिवार्य हो गया है। उन्होंने बताया कि इस दिशा में कई प्रयोग पहले से ही शुरू हो चुके हैं। उनका मानना है कि नई तकनीकें ही किसानों की उत्पादकता और आमदनी बढ़ा सकती हैं। एथेनॉल से मिला सहारा गडकरी ने कहा कि भारत

हर साल करीब 22 लाख करोड़ रुपये का जीवाश्म ईंधन आयात करता है। एथेनॉल के इस्तेमाल से इस बोझ को कम किया जा सकता है। उन्होंने बताया कि गन्ने की पैदावार और चीनी उत्पादन अधिक होने की वजह से चीनी उद्योग संकट में था, लेकिन एथेनॉल ने इसे संभाल लिया। कांग्रेस का हमला और भाजपा का जवाब हाल ही में कांग्रेस ने गडकरी पर हितों के टकराव का आरोप लगाया था। कांग्रेस ने दावा किया कि गडकरी एथेनॉल उत्पादन को लेकर आक्रामक लॉबिंग कर रहे हैं क्योंकि उनके दोनों बेटे एथेनॉल बनाने वाली कंपनियों से जुड़े हैं। कांग्रेस ने कहा कि सरकार की नीति से इन कंपनियों को फायदा हुआ। हालांकि भाजपा ने इन आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि कांग्रेस आम आदमी पार्टी की तरह सिर्फ झूठे दावे करती है, जिनके पास कोई सबूत नहीं होता। सुप्रीम कोर्ट और ई20 पर विवाद सुप्रीम कोर्ट ने हाल ही में एक जनहित याचिका खारिज की थी, जिसमें 20 प्रतिशत एथेनॉल-मिश्रित पेट्रोल (ई20) को चुनौती दी गई थी। याचिका में कहा गया था कि करोड़ों वाहन मालिकों को ऐसी ईंधन का उपयोग करने के लिए मजबूर किया जा रहा है, जो उनके वाहनों के लिए डिजाइन नहीं हुआ। सोशल मीडिया पर भी इस मुद्दे पर बहस छिड़ी रही, जहां कई लोगों ने माइलेज 20 प्रतिशत तक घटने का दावा किया। सोशल मीडिया विवाद पर गडकरी का बयान गडकरी ने सोशल मीडिया पर चल रही बहस को पेड कैंपेन करार दिया। उन्होंने कहा कि यह राजनीतिक रूप से उन्हें निशाना बनाने की कोशिश है। गडकरी ने स्पष्ट किया कि ई20 को लेकर ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री और अन्य हितधारकों के बीच साफ-सुथरी सहमति है। उन्होंने दावा किया कि एथेनॉल न केवल पर्यावरण के लिए अच्छा है, बल्कि किसानों और उद्योग दोनों को नया सहारा देता है।

विकसित भारत 2047 के निर्माण में महिलाओं की भूमिका अहम :ओम बिरला

नई दिल्ली : लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि महिलाएं नेतृत्व और नई सोच के साथ 'विकसित भारत' के निर्माण में अहम भूमिका निभा रही हैं। महिला सशक्तिकरण समिति के सम्मेलन में उन्होंने संविधान सभा की 15 महिला सदस्यों के योगदान को भी याद किया। साथ ही कहा कि भारत ने शुरूआत से ही महिलाओं को वोट, समानता और न्याय का अधिकार दिया। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने रविवार को कहा कि देश की महिलाएं अपने नेतृत्व और दृष्टिकोण से 'विकसित भारत' के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। उन्होंने यह बात संसद और राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों की विधानसभाओं में महिला सशक्तिकरण समिति के राष्ट्रीय सम्मेलन में कही। इस दौरान ओम बिरला ने कहा कि महिलाएं आज देश के विकास में नई सोच के साथ योगदान दे रही हैं और लोकतांत्रिक संस्थाओं को मजबूत कर रही हैं।

शीतकालीन सत्र में पेश हो सकता है बीमा संशोधन विधेयक : वित्त मंत्री

नई दिल्ली : वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने रविवार को कहा है कि बीमा क्षेत्र में 100 प्रतिशत प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) की अनुमति देने वाला बीमा संशोधन विधेयक संसद के आगामी शीतकालीन सत्र में पेश किए जाने की संभावना है। जब उनसे पूछा गया कि क्या बीमा क्षेत्र में एफडीआई को और उदार बनाने वाला विधेयक आगामी शीतकालीन सत्र में संसद में पेश किया जा सकता है? इस पर उन्होंने कहा, मुझे उम्मीद है। वित्त मंत्री ने इस साल के बजट भाषण में, नई पीढ़ी के वित्तीय क्षेत्र सुधारों के तहत बीमा क्षेत्र में विदेशी निवेश की सीमा को मौजूदा के 74 प्रतिशत से बढ़ाकर 100 प्रतिशत करने का प्रस्ताव रखा था। उन्होंने कहा, यह बढ़ी हुई सीमा उन कंपनियों के लिए उपलब्ध होगी जो अपना पूरा प्रीमियम भारत में निवेश करती हैं। विदेशी निवेश से जुड़ी मौजूदा सुरक्षा और शर्तों की समीक्षा की जाएगी और उन्हें सरल बनाया जाएगा। वित्त मंत्रालय ने बीमा अधिनियम, 1938 के विभिन्न प्रावधानों में संशोधन का प्रस्ताव रखा है, जिसमें बीमा क्षेत्र में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) को बढ़ाकर 100 प्रतिशत करना, चुकता पूंजी में कमी और एक समग्र लाइसेंस का प्रावधान शामिल है। एक व्यापक विधायी प्रक्रिया के तहत, जीवन बीमा निगम अधिनियम-1956 और बीमा नियामक एवं विकास प्राधिकरण अधिनियम-1999 में बीमा अधिनियम-1938 के साथ-साथ संशोधन किया जाएगा। वर्तमान में, भारत में 25 जीवन बीमा कंपनियां और 34 गैर-जीवन या साधारण बीमा कंपनियां हैं, जिनमें एग्रीकल्चर इंश्योरेंस कंपनी ऑफ इंडिया लिमिटेड और ईसीजीसी लिमिटेड जैसी विशिष्ट साधारण बीमा कंपनियां शामिल हैं। बीमा क्षेत्र में एफडीआई की सीमा पिछली बार 2021 में 49 प्रतिशत से बढ़ाकर 74 प्रतिशत की गई थी।

पाकिस्तान के साथ मैच खेलना देश के साथ गद्दारी: केजरीवाल

नई दिल्ल: आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर सौरभ भारद्वाज के पोस्ट को शेयर करते हुए लिखा कि पाकिस्तान के साथ मैच खेलना देश के साथ गद्दारी है। आप ने भारत-पाकिस्तान के बीच तनाव के बावजूद क्रिकेट मैच की अनुमति देने के लिए केंद्र सरकार के फैसले पर सवाल खड़ा किया है। शनिवार को राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने पूछा कि प्रधानमंत्री को पाकिस्तान के साथ मैच करवाने की आखिर क्या जरूरत है। सारा देश कह रहा

है कि यह मैच नहीं होना चाहिए। क्या यह भी ट्रंप के दबाव में किया जा रहा है। आखिर प्रधानमंत्री ट्रंप के आगे कितना झुकेंगे। वहीं, आज केजरीवाल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर सौरभ भारद्वाज के पोस्ट को शेयर करते हुए लिखा, 'पाकिस्तान के साथ मैच खेलना देश के साथ गद्दारी है। हर भारतीय इस बात से बेहद गुस्से में है।' वहीं, सौरभ भारद्वाज ने लिखा, खून और खेल एक साथ नही चल सकते।' वहीं, मनीष सिसोदिया ने कहा कि शहीदों के लहू से बड़ा क्रिकेट का जुनून कब से हो गया। जब हमारी बहनों की मांग का सिंदूर मिटा है तो पाकिस्तान से मैच करवाने की आखिर क्या जरूरत है।

भारत गौरव ट्रेन से करें चार ज्योतिर्लिंग व स्टैच्यू ऑफ यूनिटी का दर्शन

गोरखपुर,: चार ज्योतिर्लिंग और स्टैच्यू ऑफ यूनिटी यात्रा के लिए विशेष भारत गौरव एक्सप्रेस चलाने का फैसला लिया गया है। नौ दिवसीय यात्रा पैकेज में देश के चार प्रमुख ज्योतिर्लिंग मंदिरों के साथ आधुनिक भारत की पहचान बन चुके स्टैच्यू ऑफ यूनिटी का दर्शन कराया जाएगा। इस भारत गौरव टूरिस्ट ट्रेन का संचालन 25 अक्तूबर से शुरू होगा। यात्रा की शुरूआत अमृतसर से होगी और इसमें जालंधर, लुधियाना, चंडीगढ़, अंबाला, कुरुक्षेत्र, पानीपत, सोनीपत, दिल्ली कैंट और रेवाड़ी से यात्री ट्रेन में सवार हो सकेंगे। इस यात्रा में उज्जैन के महाकालेश्वर और ओंकारेश्वर, द्वारका के नागेश्वर तथा सोमनाथ (गिर-सोमनाथ) ज्योतिर्लिंग मंदिरों के साथ गुजरात के द्वारकाधीश मंदिर और केवडिया स्थित स्टैच्यू ऑफ यूनिटी का दर्शन कराया जाएगा। ट्रेन में कुल 762 यात्री यात्रा कर सकेंगे। इन्हें इकोनॉमी, स्टैंडर्ड और कम्फर्ट श्रेणियों में विभाजित किया जाएगा। किराया 19,555 रुपये से 39,410 रुपये प्रति यात्री तक होगा। पैकेज में शाकाहारी भोजन, आवास, ट्रांसफर, दर्शनीय स्थलों की यात्रा, बीमा और सुरक्षा की सुविधा दी जाएगी। हालांकि स्मारकों के प्रवेश शुल्क, व्यक्तिगत खर्च और टिप्स इसमें शामिल नहीं होंगे। आईआरसीटीसी ने इस यात्रा को ह्यवन-स्टॉप स्पिरिचुअल और कल्चरल टूरिज्म पैकेजह्ल के रूप में प्रचारित किया है। ज्योतिर्लिंग मंदिर जहां प्राचीन धार्मिक आस्था का प्रतीक हैं, वहीं स्टैच्यू ऑफ यूनिटी आधुनिक भारत के राष्ट्रीय गर्व का प्रतीक है। आईआरसीटीसी ने यात्रियों को मान्य पहचान पत्र साथ लाने और यात्रा से पहले स्वास्थ्य की जांच कराने की सलाह दी है। कंपनी का मानना है कि पंजाब, हरियाणा और दिल्ली के श्रद्धालुओं में इस पैकेज की भारी मांग रहेगी क्योंकि एक ही यात्रा में चार पवित्र ज्योतिर्लिंगों और एक राष्ट्रीय धरोहर का दर्शन संभव होगा। आरक्षण आईआरसीटीसी की आधिकारिक वेबसाइट और चंडीगढ़ व दिल्ली स्थित क्षेत्रीय कार्यालयों में किया जा सकता है।

खलीलाबाद स्टेशन के साफ-सुथरे रेलवे ट्रैक का दृश्य

गोरखपुर,: भारतीय रेल पर मनाये जा रहे स्वच्छता अभियान के द्वितीय चरण के अन्तर्गत 14 सितम्बर, 2025 को पूर्वोत्तर रेलवे के लखनऊ एवं वाराणसी मंडलों पर स्वच्छता सम्बन्धी अनेक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। यह अभियान रेलवे के सभी क्षेत्रों जैसे- स्टेशनों, ट्रेनों, स्टेशन परिसरों, कॉलोनियों, कार्यालयों, डिपो एवं कारखानों आदि में स्वच्छता के प्रति हमारे प्रयासों को सार्थक करेगा, साथ ही रेल कर्मियों एवं यात्रियों के बीच जागरूकता को भी बढ़ावा देगा। 14 सितम्बर, 2025 को लखनऊ मंडल पर मंडल रेल प्रबन्धक/लखनऊ श्री गौरव अग्रवाल के मार्गदर्शन में सभी प्रमुख स्टेशनों पर स्वच्छता अभियान चलाया गया, जिसके अन्तर्गत कोचिंग डिपो में बायो-ट्वायलेट चैम्बर की सफाई की गई, स्टेशनों पर लगाये गये डस्टबिन की धुलाई की गई, रेलवे ट्रैक के किनारे झाड़ियों को साफ किया गया, पैंट्रीकारों में कॉम्पैक्टर्स (स्मार्ट डिब्बों) का प्रावधान कराया गया तथा सभी स्टेशनों, स्टेशन परिसरों एवं टेज्नों में स्वच्छता कार्य किया गया और यात्रियों को स्वच्छता बनाये रखने के लिये जागरूक किया गया। वाराणसी मंडल पर मंडल रेल प्रबन्धक/वाराणसी श्री आशीष जैन के मार्गदर्शन में सभी महत्वपूर्ण स्टेशनों पर स्वच्छता अभियान चलाया गया, जिसके अन्तर्गत स्टेशनों पर स्वास्थ्य निरीक्षकों के नेतृत्व में स्टेशन पर कार्यरत अनुबन्ध कर्मचारियों एवं रेलकर्मियों के साथ स्वच्छता सम्बन्धित नारों तथा पोस्टर एवं बैनर के माध्यम से एक सार्वजनिक जागरूकता रैली निकाली गई। यात्रियों और कर्मचारियों को रैली के माध्यम से स्वच्छता के प्रति जागरूक किया गया। अभियान के दौरान टेज्नों, बायो-ट्वायलेट, स्टेशनों एवं स्टेशन परिसरों की सफाई की गई तथा स्टेशनों पर अलग से डस्टबिन का प्रावधान किया गया। यात्रियों को स्टेशनों एवं टेज्नों में स्वच्छता बनाये रखने के लिये जागरूक किया गया।

05531 सहरसा-छैहरटा उद्घाटन विशेष गाड़ी का सम्भावित समय निम्नवत

गोरखपुर,: रेलवे प्रशासन द्वारा यात्रियों की सुविधा हेतु सहरसा-छैहरटा के बीच नई अमृत भारत एक्सप्रेस चलाई जायेगी, जिसका शुभारम्भ माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी द्वारा 15 सितम्बर, 2025 सोमवार को 05531 सहरसा-छैहरटा उद्घाटन विशेष गाड़ी को हरी झंडी दिखाकर किया जायेगा। यह गैर-वातानुकूलित श्रेणी की प्रीमियम ट्रेन है। इस गाड़ी में मोबाइल चार्जिंग पोर्ट, आरामदायक सफर के लिये एयर स्प्रिंग बॉडी, रेडियम फ्लोर स्ट्रिप्स, स्वच्छ दिव्यांगजन-अनुकूल प्रसाधन, सेफ्टी के लिये फायर डिटेक्शन, टॉक-बैक यूनिट, आधुनिक प्रकाश व्यवस्था सहित उन्नत यात्रा सुविधायें उपलब्ध हैं। 05531 सहरसा-छैहरटा उद्घाटन विशेष गाड़ी का सम्भावित समय निम्नवत है। 05531 सहरसा-छैहरटा उद्घाटन विशेष गाड़ी 15 सितम्बर, 2025 सोमवार को सहरसा से 15.30 बजे प्रस्थान कर सुपौल से 16.05 बजे, सरायगढ़ से 16.45 बजे, निर्मली से 17.20 बजे, झंझारपुर से 18.10 बजे, सकरी से 18.40 बजे, शिशो से 19.30 बजे, सीतामढ़ी से 20.50 बजे, रक्सौल से 22.30 बजे, सिकटा से 23.00 बजे, नरकटियागंज से 23.45 बजे, दूसरे दिन सिसवा बाजार से 01.35 बजे, कप्तानगंज से 01.57 बजे, गोरखपुर से 03.10 बजे, खलीलाबाद से 03.47 बजे, बस्ती से 04.15 बजे, मनकापुर से 05.02 बजे, गोंडा से 05.40 बजे, बुढ़वल से 06.42 बजे, सीतापुर जं. से 08.20 बजे, चंदौसी से 13.12 बजे, मुरादाबाद से 14.10 बजे, रूड़की से 16.57 बजे, सहारनपुर से 17.32 बजे, यमुनानगर जगाधरी से 18.07 बजे, अम्बाला कैंट से 19.20 बजे, राजपुरा से 19.47 बजे, सरहिन्द से 20.30 बजे, ढंडारी कलां से 21.47 बजे, फगवाड़ा से 22.30 बजे, जलंधर सिटी से 23.10 बजे, ब्यास से 23.52 बजे तथा अमृतसर से 00.50 बजे छूटकर तीसरे दिन छैहरटा 02.00 बजे पहुँचेगी। इस उद्घाटन विशेष गाड़ी में एल.एस.एल.आर.डी. के 02, सामान्य द्वितीय श्रेणी के 11, शयनयान श्रेणी के 08 तथा पैंट्रीकार के 01 कोच सहित कुल 22 कोच लगाये जायेंगे।

2025 तक भोडवाल माजरी स्टेशन पर 02 मिनट का अस्थाई ठहराव प्रदान किया जायेगा

गोरखपुर,: रेलवे प्रशासन द्वारा यात्री जनता की सुविधा हेतु 15707/15708 कटिहार-अमृतसर-कटिहार एक्सप्रेस का 06 अक्टूबर से 07 नवम्बर, 2025 तक भोडवाल माजरी स्टेशन पर 02 मिनट का अस्थाई ठहराव प्रदान किया जायेगा।

-अमृतसर से 06 अक्टूबर से 07 नवम्बर, 2025 तक चलने वाली 15708 अमृतसर-कटिहार एक्सप्रेस भोडवाल माजरी स्टेशन पर 14.32 बजे पहुँचकर 14.34 बजे छूटेगी।

-कटिहार से 06 अक्टूबर से 07 नवम्बर, 2025 तक चलने वाली 15707 कटिहार-अमृतसर एक्सप्रेस भोडवाल माजरी स्टेशन पर 04.41 बजे पहुँचकर 04.43 बजे छूटेगी।

सपा की लाभकारी योजनाएं बंद करने का आरोप

बस्ती। सपा के पीडीए चर्चा कार्यक्रम में शनिवार को रुधौली क्षेत्र के सेक्टर-41 स्थित केशवापुर चौराहे पर चौपाल लगी। मुख्य अतिथि विधायक राजेंद्र चौधरी ने कहा कि भाजपा सरकार की गलत नीतियों और भ्रष्टाचार की वजह से किसान, नौजवान और व्यापारी सहित हर वर्ग परेशान है। आरोप लगाया कि भाजपा सरकार ने सपा के काल की योजनाएं बंद कर दी है। किसानों को केवल घोषणाओं और कर्जमाफी के नाम पर धोखा दिया गया है। यूरिया और डीएपी की कालाबाजारी आम हो गई है। कार्यक्रम की अध्यक्षता ग्राम प्रधान साधूशरन चौधरी ने की। मुनीराम चौधरी, रामप्रकाश निषाद, रामकेश यादव, वीरेंद्र कुमार, सहाबुद्दीन, मो. अमीन, रामफेर चौरसिया, राजाराम कन्नौजिया, रामपल्टन यादव, रामआसरे चौधरी, धर्मेंद्र चौधरी आदि मौजूद रहे।

बैठक में दो नए क्रय केंद्र खोलने के प्रस्ताव पर मुहर

बस्ती। गन्ना समिति सामान्य निकाय की बैठक में शनिवार को महाराजगंज ग्रांट और आगया दो नए क्रय केंद्र खोलने के प्रस्ताव पर मुहर लगाई गई। सदस्यों ने गन्ने का मूल्य 550 प्रति क्विंटल तय करने का प्रस्ताव पास किया। गन्ना क्रय केंद्रों पर उतरवाई के नाम पर वसूली का मामला छाया रहा। किसानों का कहना है कि नए केंद्र खुलने से उन्हें नजदीकी स्तर पर गन्ना बेचने की सुविधा मिलेगी और परिवहन खर्च में भी कमी आएगी। बैठक की अध्यक्षता समिति अध्यक्ष अखंड प्रताप सिंह ने की। संचालन प्रमोद सिंह ने किया। अध्यक्ष ने आश्वासन दिया कि किसानों की इस मांग को लेकर समिति की ओर से गन्ना आयुक्त को पत्र लिखा जाएगा। किसान नेताओं का कहना था कि वर्तमान लागत और महंगाई को देखते हुए यह बढ़ोतरी बेहद जरूरी है। किसान नेता विनोद सिंह ने गन्ना क्रय केंद्रों पर उतरवायी के नाम पर की जा रही अवैध वसूली का विरोध किया।

बिजली कटौती से नाराज लोगों ने किया जेई और एसडीओ का घेराव

बस्ती। अघोषित बिजली कटौती, लो वोल्टेज और अव्यवस्था से नाराज रुधौली कस्बे के लोगों ने शनिवार को टाउन जेई बागेश्वरी सिंह और विद्युत एसडीओ बीपी सिंह का घेराव किया। लोगों का आरोप था कि पिछले तीन-चार महीने से कस्बे की विद्युत आपूर्ति चरमराई हुई है। भाजपा के पूर्व मंडल अध्यक्ष विजय तिवारी ने कहा कि शाम पांच बजे के बाद विद्युत केंद्र पर कोई जिम्मेदार अधिकारी मौजूद नहीं रहता, जिससे समस्याओं का समाधान नहीं हो पाता। उपभोक्ताओं ने यह भी आरोप लगाया कि शहरी और ग्रामीण दोनों जेई फोन रिसीव नहीं करते, जिससे उपभोक्ता और ज्यादा परेशान रहते हैं। घेराव के दौरान एसडीओ बीपी सिंह ने कहा कि वोल्टेज की समस्या को दूर करने के लिए 5 एमवीए का नया ट्रांसफार्मर लगाने का प्रस्ताव भेजा गया है। उन्होंने माना कि उपभोक्ताओं की शिकायतों पर जेई का फोन न उठाना गंभीर लापरवाही है और इसे कतई क्षमा नहीं किया जाएगा।

समाधान दिवस महज औपचारिकता

बस्ती। लालगंज थाने में शनिवार को आयोजित समाधान दिवस फिर औपचारिकता साबित हुआ। जिले से सक्षम अधिकारी के न पहुंचने पर थानाध्यक्ष संजय कुमार ने राजस्व मामलों के निस्तारण के लिए लेखपालों को निर्देशित कर दिया। भरवलिया निवासी घनश्याम पाल, पिपरपाती की प्रधान कुसुम लता, बनकटी निवासी हनुमान पाल, नरौली निवासी चम्पु यादव, बसौढ़ी निवासी अजीत शुक्ला सहित कई फरियादियों ने बताया कि वे लगातार तीसरे-चौथे समाधान दिवस पर आवेदन लेकर पहुंचे हैं।

टुल्लू पंप में उतरा करंट, महिला की मौत

बस्ती। थाना क्षेत्र के धिरौली बाबू गांव में शनिवार की देर शाम करंट हादसे में एक महिला की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार, गांव निवासी कमला देवी (49 वर्ष), पत्नी ज्ञान प्रताप घर में लगे टुल्लू मोटर के संपर्क में आ गईं। मोटर में उतरे करंट की चपेट में आने से वह गंभीर रूप से झुलस गईं और मौके पर ही उनकी मौत हो गई। सूचना पर छावनी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया।

बाइक सवार दो भाइयों की गोली मारकर हत्या

जौनपुर। उत्तर प्रदेश के जौनपुर में उस वक्त हड़कप मच गया, जब बाइक सवार दो भाइयों को गोलियों से भून देने की सूचना मिली। मुंगरा बादशाहपुर थाने की पुलिस मौके पर पहुंच गई। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। जौनपुर मुंगरा बादशाहपुर थाना क्षेत्र के रामनगर में शनिवार की देर रात बाइक सवार दो सगे भाइयों की बदमाशों ने गोली मारकर हत्या कर दी। दोनों मुंगरा बादशाहपुर से अपने घर जा रहे थे। बताया जा रहा है कि कई राउंड गोलियां चलाई गई हैं। मुंगरा बादशाहपुर थाना क्षेत्र के मझगांवा चंदौकी गांव निवासी शाहजहां (60) और उनके छोटे भाई जहांगीर (45) व्यापारी हैं। दोनों सगे भाई बाइक से मुंगरा बादशाहपुर आए थे। जहां से वे देर रात अपने घर जा रहे थे। रात करीब 10 बजे रास्ते में रामनगर के पास पहुंचे थे। बताया जा रहा है कि पहले से ही घात लगाए बाइक सवार बदमाशों उन पर ताबड़तोड़ गोलियां चलानी शुरू कर दी। घटना के बाद जुटे ग्रामीणों के मुताबिक शाहजहां की मौके पर ही मौत हो गई। जहांगीर की हालत नाजुक थी। सूचना पर पहुंची पुलिस आनन-फानन में घायल को ग्रामीणों की मदद से अस्पताल ले गई। जहां डॉक्टरों ने हालत गंभीर देख प्रयागराज रेफर कर दिया। इस बीच रास्ते में उनकी मौत हो गई। परिजनों में मचा कोहराम उधर, वारदात को अंजाम देने के बाद बाइक से बदमाश भाग निकले। चर्चा है कि बदमाशों ने 8 से 10 राउंड गोलियां चलाईं। घटना की जानकारी होने पर एएसपी ग्रामीण आतिश कुमार, सीओ मछली शहर प्रतिमा वर्मा, थानाध्यक्ष मुंगरा बादशाहपुर केके सिंह मौके पर पहुंचे और मामले की जांच में जुट गए। थानाध्यक्ष ने बताया कि बदमाशों ने बाइक सवार दो सगे भाइयों को गोली मार दी। जिससे दोनों की मौत हो गई है। मामले की जांच की जा रही है।

गाजीपुर में पुलिस ने गौ तस्कर को मारी गोली

गाजीपुर। यूपी के गाजीपुर जिले में गौ तस्करों को गिरफ्तार किया गया। बदमाश पुलिस पर फायरिंग कर भाग रहे थे। मुठभेड़ में गोली लगने से दोनों घायल हो गए। इनके खिलाफ कई मामले दर्ज हैं। गाजीपुर जिले के जंगीपुर और बिरनो थाना पुलिस की संयुक्त टीम ने रविवार की रात मुठभेड़ में घायल दो शातिर गौ तस्कर को गिरफ्तार किया है। गोली लगने से दोनों घायल हो गए, जिन्हें उपचार के लिए सीएचसी बिरनो भेजा गया। वहीं, मौके से एक आरोपी फरार होने में सफल रहा। एएसपी ग्रामीण अतुल सोनकर ने बताया कि बिरनो थाना प्रभारी नसरतपुर के पास गश्त कर रहे थे, तभी मरदह से जंगीपुर की ओर जा रहा एक संदिग्ध पिकअप वाहन दिखाई दिया। रोकने का प्रयास करने पर पिकअप सवार पुलिस पर फायरिंग करते हुए भागने लगे। सूचना पर जंगीपुर पुलिस भी पीछा करने लगी। भवरहा मोड़ पर घिरने पर बदमाशों ने पुलिस पर जानलेवा हमला किया, जवाबी कार्रवाई में दोनों बदमाशों के पैर में गोली लगी। उन्होंने बताया कि पुलिस ने मौके से दो तमंचा, दो जिंदा कारतूस, दो खोखा, एक पिकअप वाहन और चार गोवंश मवेशी बरामद किए गए। बताया कि पुलिस ने मुठभेड़ में घायल संतोष राजभर, निवासी करीमुद्दीनपुर और सोनू यादव, निवासी जमसड़ा, थाना दुल्लहपुर को घायलावस्था में गिरफ्तार किया है। एएसपी ग्रामीण के अनुसार दोनों पर गाजीपुर, बलिया और बाराबंकी जिलों में गोवध, पशु क्रूरता, गिरोहबंद विरोधी अधिनियम और आर्म्स एक्ट सहित कई गंभीर मुकदमे दर्ज हैं। बताया कि फरार आरोपी की तलाश की जा रही है और इस संबंध में मुकदमा दर्ज कर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

नवोदय विद्यालय में 11वीं में प्रवेश की तिथि फिर बढ़ी

बस्ती। पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय पर 11वीं में रिक्त सीटों पर प्रवेश के लिए ऑफलाइन माध्यम से आवेदन हो रहे हैं। इसी बीच शनिवार को विद्यालय की ओर से आवेदन के अंतिम तिथि को फिर से आगे बढ़ाकर 23 सितंबर कर दिया गया है। प्राचार्या डॉ. अमिता सक्सेना ने बताया कि कक्षा 11 में विज्ञान एवं वाणिज्य वर्ग के रिक्त सीटों पर प्रवेश के लिए आवेदन आमंत्रित किए जा रहे हैं। यह प्रवेश प्रक्रिया अभ्यर्थी के 10वीं में प्राप्त अंकों के आधार पर पूरी की जाएगी। इच्छुक अभ्यर्थी समय-सीमा में विद्यालय से संपर्क कर ऑफलाइन फॉर्म भर सकते हैं।

सैफाबाद में सरकारी भूमि से हटवाया कब्जा

बस्ती। बहादुरपुर ब्लॉक क्षेत्र के सैफाबाद गांव में शनिवार को प्रशासन ने सरकारी भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराया। नायब तहसीलदार स्वाति सिंह के नेतृत्व में राजस्व विभाग की टीम ने खेल के मैदान और विद्यालय की जमीन पर बने शौचालय व बाउंड्रीवाल को जेसीबी मशीन से ध्वस्त कर दिया। गांव के रमेश निषाद ने मुख्यमंत्री के जनता दर्शन कार्यक्रम में शिकायत की थी कि सैफाबाद में सरकारी भूमि पर राम बेलास ने कब्जा कर लिया है। प्रशासन ने मौके पर जांच कर कब्जा हटाने का निर्णय लिया।

ई-कॉमर्स कंपनियों का अच्छा उत्पाद रखकर खराब करते थे वापस

कानपुर। गिरफ्तारी के बाद शिवलोचन ने बताया कि वह और रकीब पहले डिलीवरी बॉय था। तभी ठगी करने का तरीका इजाद किया था। शिवलोचन फतेहपुर से सामान बुक करता था।

डिलीवरी सड़क या चौराहे पर कराई जाती थी। इसके बाद उस पार्सल खोलकर उसमें नकली प्रोडक्ट भरकर रिफंड कर देते थे। कानपुर में ई-कॉमर्स कंपनी से ऑर्डर बुक करके डिलीवरी बॉय की मिलीभगत से खराब सामान वापस कर रिफंड का खेल करने वाले गैंग को हनुमंत विहार पुलिस ने पकड़ लिया है। आरोपी पहले सामान ऑर्डर करते और अगर साथी डिलीवरी बॉय सामान देने के लिए फोन करता, तो आरोपी उससे सही सामान ले लेते और अपने पास रखे खराब प्रोडक्ट को उसी डिब्बे या पैकेट में रखकर वापस कर देते थे। अगर नए डिलीवरी बॉय का फोन आया, तो आरोपी तुरंत ऑर्डर कैंसल कर देते थे। खास बात यह है कि सभी सामान ये आरोपी कैश ऑन डिलीवरी पर मंगाते थे। हनुमंत विहार पुलिस ने पांच शातिरों को गिरफ्तार करके कोर्ट में पेश करने के बाद जेल भेज दिया है। डीसीपी साउथ दीपेंद्र नाथ चौधरी ने बताया कि फतेहपुर निवासी शिवलोचन शुक्ला, जूही लाल कॉलोनी निवासी रकीब अहमद, नौबस्ता के मछरिया निवासी मेराज खान, कल्याणपुर बारासिरोही निवासी आदर्श गौतम और परमपुरवा छोटी जूही निवासी मोहम्मद रिजवान को गिरफ्तार किया गया है। पार्सल बैग चोरी होने की शिकायत दर्ज कराई थी इनके पास से चोरी के पार्सल, एक बैग और दो बाइकें बरामद हुई हैं। एक बाइक फतेहपुर से चोरी की गई थी। डीसीपी ने बताया कि 11 सितंबर को एक कंपनी के डिलीवरी बॉय संजय कुमार ने पार्सल बैग चोरी होने की शिकायत हनुमंत विहार थाने में दर्ज कराई थी। बताया था कि उस दिन अनुराग तिवारी के नाम से बुक पार्सल की डिलीवरी देने वह केशवनगर के महेश्वरम अपार्टमेंट के पास गया था। अनुराग को कॉल किया, तो उसने बताया कि वह घर पर नहीं है। उसने डिलीवरी देने एक अपार्टमेंट के पास बुलाया और पर्सनल नंबर भी मांगा। लोकेशन के आधार पर आरोपियों की गिरफ्तारी हुई हालांकि संजय ने गाइडलाइन बताते हुए पार्सल पर लिखे पते पर ही डिलीवरी देने की बात कही। इसके बाद वह पार्सल पर दिए गए पते पर पहुंचे। वह अपार्टमेंट के बाहर बाइक खड़ी कर अंदर गए तभी बाइक सवार डिलीवरी वाला बैग उठा ले गए। सीसीटीवी और सर्विलांस के आधार पर पुलिस ने शनिवार को मुख्य आरोपी शिवलोचन शुक्ला को फतेहपुर हाईवे के पास से धर दबोचा। उसकी निशानदेही पर बाकी आरोपियों को भी धर दबोचा। जांच में सामने आया कि शातिरों ने एक ही नंबर से कई बार पार्सल बुक कराया था लेकिन हर बार नाम और पता अलग थे। मोबाइल नंबर की लोकेशन के आधार पर आरोपियों की गिरफ्तारी हुई है। ऐसे करते थे खेल गिरफ्तारी के बाद शिवलोचन ने बताया कि वह और रकीब पहले डिलीवरी बॉय था। तभी ठगी करने का तरीका इजाद किया था। शिवलोचन फतेहपुर से सामान बुक करता था। डिलीवरी सड़क या चौराहे पर कराई जाती थी। इसके बाद उस पार्सल खोलकर उसमें नकली प्रोडक्ट भरकर रिफंड कर देते थे। ऐसे में बिना एक रुपये लगाए उन्हें नया सामान मिल जाता था। इसके बाद उसने कानपुर के शातिरों को साथ जोड़कर शहर में भी चोरी शुरू कर दी।

अपनों से हारी पुलिस तीन डीएसपी से जवाब न ले पाई

कानपुर। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, एसआईटी के पास आई शिकायतों में पुलिसकर्मियों व सरकारी कर्मचारियों पर गंभीर आरोप लगे हैं। उन पर अखिलेश दुबे के लिए कार्य करने का आरोप हैं। एसआईटी ने उनको भी बयान के लिए बुलाया है। कानपुर में एसआईटी के दूसरे नोटिस के दस दिन बाद भी तीनों में से एक भी डिप्टी एसपी और इंस्पेक्टर बयान देने के लिए हाजिर नहीं हुए हैं। हालांकि केडीए के पूर्व कर्मचारी महेंद्र सोलंकी और वर्तमान कर्मचारी कश्यपकांत दुबे शुक्रवार को अपना बयान दे चुके हैं। अधिवक्ता अखिलेश दुबे व उसके साथियों से संबंध रखने और जमीन के मामलों में सांठगांठ करने के आरोप में एसआईटी ने तीन डिप्टी एसपी ऋषिकांत शुक्ला, विकास कुमार पांडेय, संतोष कुमार सिंह, इंस्पेक्टर आशीष कुमार द्विवेदी और केडीए के

कर्मचारी कश्यपकांत दुबे व महेंद्र सोलंकी को नोटिस जारी किए थे। पुलिसकर्मियों से आरोप पत्र मांगा है अगस्त में जारी पहले नोटिस में कोई भी हाजिर नहीं हुआ। तीन सितंबर को दूसरा नोटिस जारी हुआ। पुलिस सूत्रों के मुताबिक दो डिप्टी एसपी ने नोटिस लेकर जाने वाले पुलिसकर्मियों से आरोप पत्र मांगा है। कमिश्नरी के वरिष्ठ अधिकारियों का कहना है कि बयान से बचने के लिए डिप्टी एसपी पुलिस मुख्यालय के चक्कर लगा रहे हैं। वरिष्ठ अधिकारियों के निदेर्शों पर लिया जाएगा अग्रिम निर्णय इंस्पेक्टर आशीष कुमार द्विवेदी के बारे में जानकारी नहीं है। एसआईटी के प्रभारी सत्यजीत गुप्ता ने बताया कि अभी बयान के लिए डिप्टी एसपी के पास समय है। एसआईटी उनका इंतजार कर रही है। आगे का निर्णय वरिष्ठ अधिकारियों के निदेर्शों पर लिया जाएगा। कुछ और पुलिसकर्मियों व कर्मचारियों को बुलाया पुलिस सूत्रों के मुताबिक, एसआईटी के पास आई शिकायतों में पुलिसकर्मियों व सरकारी कर्मचारियों पर गंभीर आरोप लगे हैं। उन पर अखिलेश दुबे के लिए कार्य करने का आरोप हैं। एसआईटी ने उनको भी बयान के लिए बुलाया है। सूत्र बताते हैं कि कुछ तो गिरफ्तारी के डर से बयान देने से परहेज कर रहे हैं। पूर्व में पुलिस कई लोगों को बयान देने के नाम पर पूछताछ कर जेल भेज चुकी है।

बुरादे में छुपाकर पंजाब से बिहार ले जा रहे थे 1.4 करोड़ की शराब

वाराणसी। चंदौली पुलिस ने बिहाल जा रही ट्रक से भारी मात्रा में शराब बरामद किया है। दो तस्कर भी गिरफ्तार किए गए हैं। पूछताछ में तस्करों ने बताया कि वे लोग पंजाब से माल लेकर जा रहे थे कि पुलिस ने पकड़ लिया। शराब तस्करी पर रोक लगाने के लिए चलाए जा रहे अभियान में अलीनगर थाना पुलिस और स्वाट और सर्विलांस टीम ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए शनिवार को ट्रक से बुरादे के नीचे छुपाकर ले जाई जा रही 6685.2 लीटर अवैध अंग्रेजी शराब बरामद की। पुलिस ने मौके से दो तस्करों को गिरफ्तार किया। बरामद शराब की कीमत बिहार राज्य के अनुसार करीब 1 करोड़ 40 लाख रुपये आंकी गई है। जो पंजाब से जा रही थी। एसपी आदित्य लांग्हे ने रविवार को पुलिस लाइन में प्रेस कांफ्रेस कर मामला की जानकारी दी और बताया कि चंदौली पुलिस टीम को बिहार मद्य निषेध इकाई पटना से सूचना मिली थी कि वाराणसी से चंदौली की ओर शराब लेकर एक ट्रक आ रहा है। सूचना के आधार पर सिंघीताली पुल पर वाहनों की चेकिंग शुरू की गई। कुछ देर बाद नीली और पीली तिरपाल से ढका एक ट्रक आता दिखा। रोकने का प्रयास करने पर चालक ने भागने की कोशिश की, लेकिन पुलिस ने घेराबंदी कर ट्रक को पकड़ लिया। जांच में ट्रक से 107 बोरी बुरादे के नीचे छिपाकर रखी गई भारी मात्रा में शराब मिली।

कारोबार जगत की हम खबरें

छह करोड़ से ज्यादा कळफदाखिल, कल आखिरी तारीख

आयकर निर्धारण वर्ष 2025-26 के लिए अब तक छह करोड़ से अधिक आयकर रिटर्न दाखिल किए जा चुके हैं। रिटर्न दाखिल करने की आखिरी तारीख 15 सितंबर है। विभाग ने अपील की है कि अंतिम समय की भीड़ से बचने के लिए समय रहते ही अपना आयकर रिटर्न दाखिल कर लें। विभाग का हेल्पडेस्क चौबीसों घंटे काम कर रहा है। ग्रोक के विकास में शामिल 500 लोगों को निकालेंगे मस्क एलन मस्क की एक्सएआई ने डाटा का विश्लेषण करने वाली टीम के 500 सदस्यों को कंपनी से निकालने का फैसला किया है। ये कर्मचारी ग्रोक चैटबोट के विकास में मददगार थे। बिजनेस इनसाइडर की रिपोर्ट के अनुसार, कंपनी ने शुक्रवार रात कर्मचारियों को ईमेल के जरिये सूचित किया कि वह एआई ट्यूटर्स की टीम को छोटा करने पर काम कर रही है। क्रेडिट रेटिंग एजेंसी क्रिसिल (उपक्रमकळ) ने कहा कि अमेरिका के 50 प्रतिशत टैरिफ से अगस्त में भारत के घरेलू वित्तीय स्थिति पर असर पड़ा।

परिवार की सुख समृद्धि के लिए महिलाएं आज करेंगी महालक्ष्मी पूजन

ग्वालियर

परिवार की सुख समृद्धि के लिए महिलाएं रविवार को महालक्ष्मी जी की पूजा करेंगी। लक्ष्मी पूजन में सबसे पहले स्नान आदि करके पूजा स्थल की सफाई करें। गंगाजल छिड़क कर साफ चौकी पर लाल कपड़े बिछाकर गज पर विराजित महालक्ष्मी जी की प्रतिमा का पूजन करें। साथ ही महालक्ष्मी की कथा का श्रवण करें। पूजन में महालक्ष्मी को 16 श्रृंगार की सामग्री अर्पित करें। साथ ही पूजा में कमल, दुर्वा, अक्षत, रोली, धूप- दीप, फल, मिठाई, दक्षिणा आदि चढ़ाए। अंत में लक्ष्मी जी की आरती करें।

विमल सागर महाराज की जयंती पर हुआ अभिषेक

श्री दिगंबर जैन बीस पंथी बड़ा मंदिर प्रबंधक कमेटी चंपाबाग मंदिर दानाओली के तत्वावधान में आचार्यश्री सुबल सागर महाराज के सानिध्य में शनिवार को चंपाबाग जैन मंदिर में जैन धर्म के सबसे बड़े संत विमल सागर महाराज की 110वीं जन्म जयंती पर अभिषेक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। शांतिधारा आचार्यश्री के मुखरबिंद मंत्रों से दिलीप खापर और निखिल गोधा परिवार ने की। इस मौके पर धर्म सभा को संबोधित करते हुए सुबल सागर महाराज ने कहा कि साधुओं का मानव जाति पर बहुत बड़ा उपकार है, संतों की श्रृंखला में वात्सल्य रत्नाकर आचार्य श्री विमल सागर जी महाराज हुए जिनका पूरे देश में जैन समाज

110वीं जन्म जयंती वर्ष मना रही है। वे सहज, सरल संत थे। आत्म कल्याण के साथ-साथ अनवरत दूसरों के कल्याण और पीड़ा हरने में कुशलता रखते थे। उनके त्याग, तपस्या, करुणा, वात्सल्य से अनेकों दुखियों के दुख दूर हुए। उनका ध्यान साधना लोगों के लिए विस्मयकारी था।

इंद्र के घमंड को तोड़ने के लिए भगवान कृष्ण ने गोवर्धन पर्वत उठाया

माधव मंगलम गार्डन जयेंद्रगंज में चल रही श्रीमद् भागवत ज्ञान यज्ञ सप्ताह के पांचवें दिन वृंदावन से आए भागवताचार्य रसराज मृदुल महाराज ने कहा कि जब वृंदावन वासियों ने भगवान कृष्ण के कहने पर इंद्र की पूजा करना बंद कर दिया तब इंद्र ने लगातार बारिश की। बारिश से बचने के लिए भगवान ने गोवर्धन पर्वत को अपनी एक उंगली पर उठा लिया और गोवर्धनवासियों की रक्षा की। जिससे इंद्र का घमंड टूट गया। इस मौके पर भगवान की सुंदर लीलाओं का वर्णन किया गया। शनिवार की आरती में रवि पाण्डे, दिनेश शर्मा, राजकुमार तिवारी, देवदत्त शर्मा, उमा शर्मा, संतोष शर्मा आदि शामिल रहे।

श्री सतपाल महाराज का जन्मोत्सव समारोह आज

मानव धर्म प्रवर्तक सद्गुरुदेव श्री सतपाल जी महाराज का पावन जन्मोत्सव मानव उत्थान सेवा समिति द्वारा स्थानीय श्री हंस विभू आश्रम तानसेन रोड पर रविवार को मनाया जाएगा। समारोह का शुभारंभ सुबह आठ बजे श्री हंस विभू आश्रम तानसेन रोड से सदभावना यात्रा वाहन रैली के रूप में होगा। पं.रामबाबू कटारे ने बताया कि आश्रम प्रभारी साध्वी हरीशा बाई के मार्गदर्शन में यात्रा का शुभारंभ नगर निगम के सभापति मनोज तोमर द्वारा धर्म ध्वजा दिखाकर करेंगे। यात्रा नगर भ्रमण कर वापस आश्रम आएगी। जहां दोपहर एक बजे से निशुल्क स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया जाएगा।

गले में तुलसी और माथे पर तिलक भगवान को प्रिय: राधेश्याम महाराज

गले में तुलसी धारण करने और माथे पर तिलक लगाने की कभी अधोगति नहीं होती। जिसके गले में तुलसी की माला होती है, भगवान उसे कभी अस्वीकार नहीं करते हैं। ऐसे लोग सदा भगवान के धाम को जाते हैं। तुलसी धारण करने वाले को स्नान करते वक्त हर रोज सारे तीर्थ का फल मिलता है। यह विचार पं. राधेश्याम महाराज ने दंदरौआ धाम शताब्दीपुरम में आयोजित श्रीमद् भागवत कथा के छठवें दिवस शनिवार को व्यक्त किए। इस अवसर पर माता रुक्मणी और

भगवान कृष्ण के विवाह का सुंदर उत्सव मनाया गया। महाराज श्री ने कहा कि शराबी और जुआरी भी यदि तुलसी धारण कर संकल्प कर लें तो उन्हें भी भगवान स्वीकार कर लेते हैं। गुरु की महिमा का बखान करते हुए उन्होंने कहा कि परंपरा का सिद्ध किया हुआ गुरु दीक्षा मंत्र यदि कानों में जाता है तो जन्म जन्म के कष्ट दूर हो जाते हैं। इस अवसर पर कथा परीक्षित साधना राजीव कोठारी, जीडी नागर, भास्कर शर्मा, सागर नाती आदि उपस्थित रहे।

डॉ. आशिष रानडे के सुरों से गूंजा तराणेकर सभागार

ग्वालियर

संत गजानन न्यास द्वारा पुण्य तिथि उत्सव की श्रृंखला में शनिवार को नासिक के प्रसिद्ध गायक डॉ. आशिष रानडे की संगीत निशा का आयोजन नई सड़क स्थित राष्ट्रोत्थान न्यास भवन के तराणेकर सभागार में हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व सांसद विवेक शेजवलकर रहे। अध्यक्षता राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ मध्य क्षेत्र के क्षेत्र कार्यकारिणी सदस्य यशवंत इंदापुरकर ने की। अतिथियों का स्वागत डॉ. किरण कल्याणकर और विलास कामले ने किया। इस अवसर पर वैद्य कृष्णाचार्य गजेंद्र गड़कर, ज्योतिषी श्रीकृष्ण मुसलगांवकर, अधिवक्ता विवेक खेड़कर एवं समाजसेवी डॉ. उमा कंपूवाले का सम्मान अतिथियों द्वारा किया गया। साथ ही विद्यार्थियों को गौरव पुरस्कार और आर्थिक सहायता दी गई।

'जय जय राम कृष्ण हरि नाम'

संगीत निशा के दूसरे सत्र में नासिक के डॉ. आशिष रानडे ने अपने गायन का प्रारंभ 'जय जय राम कृष्ण हरि नाम' घोष से किया। उन्होंने माझे माहे पंढरी.., आता कोठे धावे मन.., बाजे रे मुरलिया.., संत कबीर का अभंग सब पैसे के भाई.., और कई भजनों की शानदार प्रस्तुति दी। समापन भैरवी में धन्य भाग सेवा का अवसर पाया रचना से किया। संगतकारों में तबले पर रसिक कुलकर्णी, हार्मोनियम पर दिव्या रानडे, पखावज पर दिगंबर सोनवणे ने संगत कर श्रोताओं को देर रात तक बांधे रखा। संचालन मनीष लिमये और आभार विलास कामले ने व्यक्त किया। कार्यक्रम में कार्यकारिणी सदस्य, संगीत रसिक और प्रवक्ता निशिकांत सुरंगे उपस्थित थे।

महिला कर्मचारी का बेटा ही निकला चोर

ग्वालियर

जयारोग्य चिकित्सालय समूह के हजार बिस्तर अस्पताल में लगातार हो रही चोरी की घटनाओं का आखिरकार पर्दाफाश हो गया है। शनिवार को अस्पताल प्रबंधन की सतर्कता और सुरक्षा व्यवस्था के सहयोग से एक युवक को चोरी करते रंगे हाथों दबोच लिया गया। पकड़ा गया युवक अस्पताल में ही पदस्थ एक महिला कर्मचारी का बेटा निकला। जानकारी के अनुसार पिछले कुछ दिनों से अस्पताल परिसर में लगातार पीतल के वाल्व गायब हो रहे थे, जिस पर वर्कशॉप प्रभारी अतर सिंह जाटव ने संदेह के आधार पर सुरक्षा दल के साथ मिलकर निगरानी शुरू की। तीन दिन तक लगातार पहरा देने के बाद शनिवार को शिवा वाल्मीक पिता स्व. कन्हैया रंगे हाथों पकड़ा गया। शिवा की मां आशा बाई हजार बिस्तर के अस्पताल में ही पदस्थ है। शिवा अस्पताल की छत पर लगे पानी की पाइपलाइन से पीतल के वाल्व काटकर चोरी कर रहा था। चोरी की पुष्टि होने पर मामले की सूचना तुरंत अधिष्ठाता और अधीक्षक को दी गई। अधिकारियों ने सख्त निर्देश देते हुए युवक पर एफआईआर दर्ज कराई गई है। अस्पताल प्रबंधन का कहना है कि सरकारी संपत्ति की चोरी गंभीर अपराध है और इसमें किसी भी तरह की नरमी नहीं बरती जाएगी।

पीजी विद्यार्थियों के लिए उपयोगी साबित होगी कार्यशाला: डॉ. धाकड़

ग्वालियर

गजराराजा चिकित्सा महाविद्यालय एवं जयारोग्य अस्पताल समूह में शनिवार को दो दिवसीय आईओए पीजी टीचिंग कोर्स 2025 की शुरुआत हुई। हजार बिस्तर अस्पताल के ऑडिटोरियम में आयोजित इस कार्यशाला में देशभर से आए ऑर्थोपेडिक्स विशेषज्ञ पीजी विद्यार्थियों को परीक्षा की तैयारी, क्लीनिकल केस स्टडी और आधुनिक तकनीकों पर प्रशिक्षण दे रहे हैं।

कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. आर.के.एस. धाकड़ ने मुख्य अतिथि के रूप में किया। उन्होंने कहा कि ग्वालियर में इंडियन ऑर्थोपेडिक एसोसिएशन के

तत्वावधान में पहली बार आयोजित हो रही यह कार्यशाला पीजी विद्यार्थियों के लिए बेहद उपयोगी सिद्ध होगी। कोर्स चेयरपर्सन डॉ. समीर गुप्ता ने कार्यक्रम की रूपरेखा बताई। इसके बाद डॉ. आर.एस. बजोरिया ने हाउ टू प्रिपेयर फॉर एग्जाम्स विषय पर मार्गदर्शन दिया। सुबह के सत्र में डॉ. समीर गुप्ता ने गेट एनालिसिस, डॉ. सुनील कुमार ने हाउ टू टेक हिस्ट्री, डॉ. आशीष गोहिया ने सीटीईवी केस और डॉ. अनिल धाल ने हिप जॉइंट केस का लाइव डेमोंस्ट्रेशन प्रस्तुत किया। इसके पश्चात डॉ. रेहान उल हक ने शोल्डर जॉइंट तथा डॉ. ललित मैनी ने एल्बो जॉइंट केस पर प्रशिक्षण दिया। दोपहर के सत्र में विद्यार्थियों को वार्ड राउंड एवं ओएससीई/ओएसपीई की जानकारी दी गई। इस दौरान डॉ. सत्येन्द्र फुलझले, डॉ. बी.के. जैन और डॉ. सुनील कुमार ने छात्रों को क्लीनिकल बारीकियों से अवगत कराया। कार्यशाला में शॉर्ट केस स्टडी पर भी विशेष सत्र हुए। इस अवसर पर डॉ. आशीष कौशल, डॉ. सचिन जैन, डॉ. सुरेंद्र यादव, डॉ. मनीष बैरागी, डॉ. अभिलेख मिश्रा, डॉ. विपिन गर्ग, डॉ. देवेश बांदिल, डॉ. विकास सिंघल, डॉ. उत्कर्ष पाल और डॉ. विवेक सिंह धाकड़ सहित अन्य मौजूद रहे।

महिला से गैंगरेप, आरोपी पकड़े

ग्वालियर

खाना बनाने के बहाने महिला चौकीदार को बुलाकर दो आरोपियों ने गैंगरेप की वारदात को अंजाम दिया। घटना गिरवाई थाना क्षेत्र की फैक्ट्री की है। घटना का शिकार पीड़िता थाने पहुंची और मामले की शिकायत की। पुलिस ने उसकी शिकायत पर मामला दर्ज कर आरोपियों को पकड़ लिया है। गिरवाई थाना क्षेत्र के अजयपुर निवासी 45 साल की महिला एक फैक्ट्री में चौकीदारी करने का काम करती है। इसके कुछ दूरी पर फैक्ट्री है जिस पर संतोष चौकीदारी का काम करता है और उसी फैक्ट्री के कमरे में रहता है। महिला चौकीदार को उसने अपने लिए खाना बनाने का काम दिया था। 21 अगस्त को महिला संतोष के लिए खाना बनाने फैक्ट्री के कमरे पर गई हुई थी तभी संतोष ने अपने साथी सीताराम निवासी मोहना के साथ मिलकर पीड़िता से गैंगरेप किया। वारदात के बाद आरोपियों ने महिला को धमकी दी की अगर उसने उनके खिलाफ शिकायत थाने में की तो उसे जान से मार देंगे। महिला उनके डर के चलते चुप रही। लेकिन महिला ने हिम्मत जुटा कर 23 दिन बाद इस घटना की शिकायत पुलिस से की। पुलिस ने महिला की शिकायत पर तत्काल फैक्ट्री पहुंचकर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

लिव इन पार्टनर के दोस्त ने किया रेप

थाटीपुर थाना क्षेत्र निवासी 22 वर्षीय महिला ने शिकायत की है कि वर्ष 2019 में उसकी शादी उत्तर प्रदेश निवासी युवक से हुई थी। पति द्वारा मारपीट करने पर वह उसे छोड़कर आ गई थी और पिछले 18 महिने से वह एक अन्य युवक के साथ लिव इन में रह रही थी। यहा पर उसका दोस्त शिवम राजपूत का आना जाना था। एक अगस्त को वह घर पर अकेली थी तो शिवम वहां पर पहुंचा और उसके बेटे को जान से मारने की धमकी देकर उसके साथ गलत काम किया। वारदात की शिकार पीड़िता थाने पहुंची और शिकायत की। पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

मनुष्य के लिए साइबर सुरक्षा आवश्यक

ग्वालियर

मप्र मानव अधिकार आयोग भोपाल के तत्वावधान में आयोग मित्र समिति, शिकायत प्रकोष्ठ, ग्वालियर द्वारा आयोग के स्थापना दिवस के अवसर पर एक कार्यक्रम स्थानीय कार्यालय में आयोजित किया गया। कार्यक्रम का विषय साइबर सुरक्षा मानव अधिकार रखा गया। कार्यक्रम में एडवोकेट गायत्री सुर्वे द्वारा मानव अधिकार आयोग की कार्यप्रणाली के बारे में विस्तार से बताया गया। कार्यक्रम में वक्ताओं ने साइबर सुरक्षा पर अपने-अपने विचार रखे। अभिभाषक आलोक बन्धु श्रीवास्तव ने कहा कि आज हर मनुष्य के लिए साइबर सुरक्षा अत्यन्त आवश्यक है। जिस तरह से साइबर अपराध तेजी से समाज में बढ़ रहे हैं। उसके लिए यह आवश्यक है कि समाज को साइबर सुरक्षा के लिए जागरूक किया जाए। इस अवसर पर डॉ. दीपक शर्मा, रघुवीर सिंह सरदार, सतपाल सिंह, जितेन्द्र खेमरिया, संदीप यादव सहित समाजसेवी, अभिभाषक और चिकित्सक मौजूद रहे।

शहर की सड़कों, सीवर लाइन और स्ट्रीट लाइट की स्थिति दुर्भाग्यपूर्ण: चेम्बर

ग्वालियर

शहर का हाल बेहाल है। यहां की सड़कें चलने लायक तक नहीं बची हैं। इस बात को लेकर हर वर्ग चिंतित हैं। इसी क्रम में प्रदेश में उद्योग एवं व्यापार की शीर्ष संस्था मप्र चेम्बर ऑफ कॉमर्स द्वारा शहर की जर्जर सड़कों पर चिंता व्यक्त करते हुए एक बार पुनः मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, नगरीय विकास एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, प्रभारी मंत्री तुलसी सिलावट, ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर को पत्र लिखा है। चेम्बर पदाधिकारियों ने पत्र में कहा है कि अधिक बरसात होने के कारण शहर की समस्त सड़कें जर्जर हो चुकी हैं। समझ में अब यह नहीं आ रहा है कि 'सड़कों में गड्ढे हैं अथवा गड्ढों में सड़क है।' सड़कों में जगह-जगह सुरंगनुमा होल हो रहे हैं। जिससे कभी-भी कोई बड़ी दुर्घटना होने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता है। साथ ही शहर भर में 'सीवर लाइन' चोक होने के कारण गंदा पानी सड़कों पर लगातार बह रहा है, जिससे शहरवासियों को भयंकर बदबू का सामना करना पड़ रहा है। इसी के साथ ही रात्रि के समय में शहर के प्रमुख मार्गों के साथ-साथ कॉलोनियों व गलियों में 'स्ट्रीट लाइट' की उचित व्यवस्था नहीं होने से वाहन चालक दुर्घटनाग्रस्त हो रहे हैं। पदाधिकारियों ने कहा कि शहर की ऐसी स्थिति कभी नहीं हुई है। शहर की खराब हालत का असर व्यापार और उद्योग पर पड़ रहा है। शहर में अच्छा निवेश लाने के लिए अच्छी सड़कों का होना आवश्यक है। पदाधिकारियों ने कहा कि पत्र के माध्यम से हमारी मांग है कि शहर की अत्यन्त खराब सड़कों का प्राथमिकता के आधार पर डामरीकरण कराने जाने सहित 'सीवर लाइनों' की सफाई व 'स्ट्रीट लाइट' का उचित प्रबंध हेतु संबंधित वरिष्ठ अधिकारियों को सख्त आदेश जारी किए जाएं। साथ ही, इस हेतु राज्य सरकार द्वारा पर्याप्त धनराशि भी स्थानीय प्रशासन को उपलब्ध कराई जाए।

पब्लिक टॉयलेट पर कब्जा, गुमटी में बदला डाला, निगम की कार्रवाई में खुली पोल

ग्वालियर। शहर में अतिक्रमण का आलम इतना बढ़ गया है कि अब पब्लिक टॉयलेट तक को बंद कर दुकानों का गोदाम बना दिया गया। सिटी सेंटर स्थित बीएसएनएल ऑफिस के पास शनिवार दोपहर जब नगर निगम का मदाखलत अमला अवैध गुमटी हटाने पहुंचा तो हैरान रह गया। गुमटी के ठीक पीछे बने सार्वजनिक शौचालय पर ताला जड़ा था और उसके अंदर गुमटी संचालक ने सामान भर रखा था। उपायुक्त सत्यपाल सिंह चौहान और मदाखलत अधिकारी केशव सिंह चौहान, सतेंद्र भदौरिया के निर्देश पर मौके पर टीम ने तत्काल गुमटी तोड़ दी और कब्जे से रखा सामान बाहर निकलवाकर जप्त कर लिया। मदाखलत निरीक्षक विशाल जाटव के नेतृत्व में पूर्व विधानसभा क्षेत्र में की गई इस कार्रवाई ने साफ कर दिया कि शहर में अतिक्रमणकारियों की मनमानी किस हद तक है।

सोनी के पार्श्वनाथ जैन मंदिर पर वार्षिक मेला कल

ग्वालियर। भिंड जिले की मेहगांव तहसील के निकट ग्राम सोनी में ऐतिहासिक जैन मंदिर पर 15 सितंबर सोमवार को भव्य वार्षिक मेला का आयोजन किया जाएगा। श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर सोनी के मंत्री जयकुमार जैन ने बताया कि यह मंदिर करीब 1200 वर्ष पुराना है। यहां मंदिर में 24 तीर्थंकर भगवानों की चमत्कारी और अतिशयकारी प्रतिमाएं विराजमान हैं। उन्होंने बताया कि 15 सितंबर को प्रातः 10 बजे से प्रतिष्ठाचार्य पं.संजय कुमार शास्त्री द्वारा अभिषेक, पूजन के बाद पंच परमेष्ठी विधान कराया जाएगा। विधान के उपरांत दोपहर 3बजे से श्रीजी की रथयात्रा निकलेगी। यह रथयात्रा रेलवे स्टेशन होते हुए पुनः मंदिर पहुंचेगी जहां अभिषेक व शांतिधारा होगी। श्री जैन ने समाज के लोगों से रथयात्रा व मेला में शामिल होने का आग्रह किया है।

कार्रवाई त्योहारों से पहले पुलिस की सख्ती

कॉम्बिंग गश्त में 336 वारंटियों को पकड़ा

ग्वालियर

त्योहारों के आगमन से पहले पुलिस ने अपनी तैयारी शुरू कर दी है ताकि इस दौरान बाजारों में कोई गड़बड़ी न हो। शुक्रवार की रात को पुलिस ने

कॉम्बिंग गश्त अभियान चलाया जिसमें 336 वारंटियों को पुलिस ने उनके घरों से तथा अन्य ठिकानों से गिरफ्तार किया। इसके अलावा होटल और लॉज में भी चेकिंग की। कॉम्बिंग गश्त के दौरान वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक धर्मवीर सिंह भी मौजूद रहे। इस

दौरान फरारी बदमाशों, वारंटियों, गुण्डों, हिस्ट्रीशीटरों एवं जिला बदर के आरोपियों की उनके घरों पर चेकिंग के साथ ही बैंक एटीएम एवं होटल, लॉज, धर्मशाला, ढाबों को भी चेक किया गया। गश्त के लिये पुलिस की टीमें बनाकर शहर व देहात क्षेत्रों में संवेदनशील इलाकों में भी गश्त की गई। कॉम्बिंग गश्त के दौरान पुलिस द्वारा संदिग्ध वाहनों तथा मुंह बांधे दो पहिया वाहन चालकों की विशेष तौर पर चेकिंग की गई। कॉम्बिंग गश्त के दौरान पुलिस ने जिले में कुल 160 स्थाई वारंट, 176 गिरफ्तारी वारंट तामील कराये गये साथ ही 148 गुण्डा एवं 150 हिस्ट्रीशीटरों व जिला बदर को चेक किया। कॉम्बिंग गश्त के दौरान थाना हजीरा, पुरानी छावनी, घाटीगांव, भितरवार एवं बिजौली में अवैध शराब का 01-01 प्रकरण तथा थाना पुरानी छावनी में 02 फरार आरोपियों को पकड़ा गया और थाना डबरा में 01 अवैध हथियार सहित आरोपी को पकड़ा। कॉम्बिंग गश्त के दौरान पुलिस द्वारा कई सक्रिय बदमाशों के विरूद्ध प्रतिबंधात्मक कार्यवाही भी की गई साथ ही गुण्डों एवं हिस्ट्रीशीटरों के रिकॉर्ड को अपडेट किया। शहर व देहात क्षेत्र की गली मौहल्लों में घूमकर पुलिस ने गुण्डे, बदमाशों की धरपकड़ की। कॉम्बिंग गश्त के दौरान जेल से रिहा होकर आये आरोपियों को भी चेक किया गया।

सोलर एनर्जी वातावरण को प्रदूषण मुक्त करती है

ग्वालियर

गैर पारंपरिक ऊर्जा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से शनिवार को चेम्बर भवन में दो दिवसीय सोलर फेयर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर रहे। स्वागत भाषण चेम्बर अध्यक्ष डॉ. प्रवीण अग्रवाल ने दिया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि ने कहा कि 'सोलर एनर्जी' चूंकि 'ग्रीन एनर्जी' भी है, जो कि वातावरण को प्रदुषण मुक्त करती है और विद्युत की बचत भी करती है। डॉ. प्रवीण अग्रवाल ने ऊर्जा मंत्री से मांग की कि विद्युत कंपनी द्वारा

सोलर उपभोक्ता के मीटर का लोड बढ़वाने एवं कनेक्शन का नाम परिवर्तन करने में जो भारी भरकम राशि वसूल की जाती है, वह बंद होनी चाहिए। इस मौके पर कई लोगों द्वारा सोलर को लगवाने की बुकिंग भी की गई। संचालन मानसेवी सचिव दीपक अग्रवाल और आभार कोषाध्यक्ष संदीप नारायण अग्रवाल ने व्यक्त किया। इस अवसर पर संयुक्त अध्यक्ष हेमन्त गुप्ता, मानसेवी संयुक्त सचिव पवन कुमार अग्रवाल सहित काफी संख्या में कार्यकारिणी सदस्यगण व शहर के व्यवसाई और उद्योगपति उपस्थित थे।

सम्पादकीय

इंजीनियर्स डे महज औपचारिकता

भारत में इंजीनियर्स डे य15 सितंबरद्ध को हर साल मनाया तो जाता है, लेकिन जिस तरह नीति निर्धारण से लेकर शीर्ष प्रबंधन तक आई ए एस काबिज हो गए हैं और अभियंताओं को हाशिए पर धकेल दिया गया है उससे अब यह महज औपचारिकता तक सीमित रह गया है। इंजीनियरों की समाज और राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका के बावजूद, उनकी स्थिति और सम्मान को लेकर कई चुनौतियाँ हैं। नीति निर्धारण और शीर्ष प्रबंधन में इंजीनियरों को हाशिए पर रखा जाना एक गंभीर समस्या है, जिसके कई कारण और समाधान हो सकते हैं। आइए इस पर गहराई से विचार करें। भारत में नीति निर्धारण और शीर्ष प्रबंधन में आई ए एस यभारतीय प्रशासनिक सेवाद्ध अधिकारियों का वर्चस्व है। इंजीनियरिंग विभागों में भी गैर.तकनीकी लोग अक्सर नेतृत्वकारी भूमिकाओं में होते हैं, जिससे तकनीकी विशेषज्ञता की अनदेखी होती है। इंजीनियरों को अक्सर ष्कार्यकारीष् के रूप में देखा जाता है, न कि नीति निमार्ता के रूप में। इससे उनकी रणनीतिक और नेतृत्वकारी भूमिका सीमित हो जाती है। भारत में आईएएस या प्रशासनिक सेवाओं को सामाजिक रूप से अधिक प्रतिष्ठित माना जाता है, जिसके कारण इंजीनियरिंग पेशे को कमतर आँका जाता है। विकसित देशों में इंजीनियरों को नीति निर्माण और नेतृत्व में महत्वपूर्ण भूमिका दी जाती है, जैसे जर्मनी, जापान, और अमेरिका में, जहाँ इंजीनियरिंग नवाचार और तकनीकी नेतृत्व को बढ़ावा दिया जाता है। भारत में राजनैतिक इच्छा शक्ति की कमी के चलते यह दृष्टिकोण अभी पूरी तरह विकसित नहीं हो पाया है इंजीनियरों को सम्मान दिलाने के लिए संभावित समाधान . नीति निर्माण में इंजीनियरों की भागीदारी बढ़ानारू इंजीनियरिंग विभागों में सचिवालय के शीर्ष पदों के लिए तकनीकी विशेषज्ञता को अनिवार्य करना चाहिए। उदाहरण के लिए, तकनीकी मंत्रालयों और विभागों में इंजीनियरों को सचिव, प्रमुख सचिव और अपर मुख्य सचिव स्तर की भूमिकाएँ दी जानी चाहिए । इंजीनियरों के लिए विशेष प्रशासनिक प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किए जाएँ, जो उन्हें नीति निर्माण और नेतृत्व के लिए तैयार करें इंजीनियरिंग पाठ्यक्रम में प्रबंधन, नीति निर्माण, और नेतृत्व कौशल को शामिल करना चाहिए। उदाहरण के लिए, आई आई टी और एन आई टी जैसे संस्थानों में नीति विश्लेषण और सार्वजनिक प्रशासन पर वैकल्पिक पाठ्यक्रम शुरू किए जा सकते हैं इंटर्नशिप और प्रोजेक्ट्स के माध्यम से इंजीनियरों को वास्तविक नीति निर्माण प्रक्रियाओं से जोड़ा जाए इंजीनियर्स डे को केवल औपचारिकता तक सीमित न रखकर, इंजीनियरों की उपलब्धियों को राष्ट्रीय स्तर पर प्रचारित करना चाहिए। मीडिया, सोशल मीडिया, और सार्वजनिक मंचों पर इंजीनियरों के योगदान को उजागर करना होगा। स्कूल और कॉलेज स्तर पर इंजीनियरिंग के महत्व को बढ़ावा देने के लिए अभियान चलाए जाएँ, ताकि समाज में इस पेशे के प्रति सम्मान बढ़े। जर्मनी और जापान जैसे देशों में इंजीनियरों को तकनीकी और नीतिगत दोनों स्तरों पर महत्व दिया जाता है। भारत में भी इंजीनियरों को स्टार्टअप, नवाचार, और नीति निर्माण में प्रोत्साहित करने के लिए विशेष योजनाएँ बनाई जा सकती हैं। उदाहरण के लिए, इंजीनियरों के लिए ष्टेक्नोक्रेट फेलोशिपष् जैसी पहल शुरू की जा सकती है, जिसमें उन्हें सरकार के साथ नीति निर्माण में काम करने का अवसर मिले। इंजीनियरों के लिए राष्ट्रीय और क्षेत्रीय स्तर पर पुरस्कार और सम्मान स्थापित किए जाएँ, जो उनकी तकनीकी और सामाजिक योगदान को मान्यता दें। उदाहरण के लिए, सर एमण् विश्वेश्वरैया जैसे दिग्गज इंजीनियरों के नाम पर पुरस्कार और फेलोशिप शुरू की जा सकती हैं। इंजीनियरिंग संगठनों जैसे इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स यइंडियाद्ध को नीति निर्माण में अधिक सक्रिय भूमिका निभाने के लिए सशक्त करना चाहिए। सरकार और निजी क्षेत्र में इंजीनियरों के लिए विशेष कैडर बनाए जाएँ, जो उन्हें प्रशासनिक और तकनीकी दोनों भूमिकाओं में अवसर दे। भारत में इंजीनियरों को सम्मान दिलाने के लिए एक समग्र दृष्टिकोण की आवश्यकता है, जिसमें शिक्षा, नीति, और सामाजिक धारणा में बदलाव शामिल हो। सबसे महत्वपूर्ण है कि राजनीतिक दल आई ए एस के प्रभा मंडल से बाहर आए और राष्ट्र निर्माण में इंजीनियरों की भूमिका को समुचित महत्व दें। इंजीनियरिंग विभागों के सचिव, प्रमुख सचिव और अपर मुख्य सचिव पदों पर विशेषज्ञ इंजीनियरों की ही तैनाती की जाय। इंजीनियर्स डे को केवल एक औपचारिक आयोजन के बजाय, इंजीनियरों के योगदान को उजागर करने और उन्हें सशक्त बनाने का अवसर बनाया जा सकता है। यदि सरकार, उद्योग, और समाज मिलकर काम करें, तो इंजीनियरों को वह स्थान मिल सकता है, जिसके वे वास्तव में हकदार हैं।

पड़ोंसी देशों का हाल और भारत

प्रेम शर्मा

भारत के करीबी और पड़ोंसी देशों के हाल बेहाल है। म्यांमार में 2021, पाकिस्तान में श्रीलंका में 2022, 2024 में बाग्लादेश और अब नेपाल चुनी हुई सरकार के साथ जो कुछ हुआ वह अचानक नही बल्कि पिछले कुछ अरसे से बढ़ता आक्रोश था। प्रधानमंत्री से लेकर मंत्रियों तक को जानबचाकर भागते देखा गया, जिनकों पकड़ लिया उन पर हमला कर दिया गया। यानि यह जन आक्रोश जिस सरकारे जानबूझ कर अनदेखी कर रही थी। यह तो सच है कि दुनिया का कोई भी देश वहा की सरकार शत प्रतिशत रोजगार नही दे सकती। बढ़ती आबादी के हिसाब से महंगाई नही रोक सकती, लेकिन वह जो कर सकती है वह भी नही कर रही उपर से भ्रष्टाचार और सरकारी रहनुमाओं के ऐशोआराम से अब जनता दूखी और आक्रोशित है। सरकार की मशीनरी के सामने भले ही दुबकी नजर आती हो लेकिन जैसे ही उसे मौका मिलता है तख्ता पलट का रूप सामने आता है। दक्षिण एशिया खासकर भारत के पड़ोसी देशों में राजनीतिक अस्थिरता बार-बार दस्तक दे रही है। कभी चुनी हुईं सरकारों को बदल दिया जाता है, तो कभी उनका तख्तापलट हो जाता है। व्यवस्था पत्ते की तरह बिखर जाती है। बीते सालो में म्यांमार, अफगानिस्तान, श्रीलंका, पाकिस्तान, बांग्लादेश में तख्तापलट हो चुका है। अब इसका ताजा शिकार नेपाल बना है। भारत के पड़ोसी देशों में जो कुछ हुआ और हो रहा है वह सामान्य घटनाक्रम नही बल्कि लम्बे अरसे से सुलगता जनाक्रोश है जिसकी वहॉ की सरकारों द्वारा लगातार अनदेखी की गई, इसका परिणाम था कि वहॉ के विपक्षी दलों और कतिपय सरकार विरोधी गुटों ने सुलग रही चिनगारी को हवा दे तो और स्थिति खतरनाक हो गई। इतिहास गवाह है कि लंबे समय तक बेरोजगारी, भ्रष्टाचार जैसे कारणों से शोषण झेल रही जनता जब बगावत पर उतर आती है तो वह अच्छे और बुरे का फर्क भूल जाती है। ऐसे हालात ही क्रांति को जन्म देते हैं। ऐसा ही नेपाल में हुआ जहां सत्ताधारी नेता देश को भूल कर खुद का घर भरने में लग गए।

देश के युवाओं का सब्र का बांध उस वक्त टूट गया जब नेपाली सरकार ने उनकी अभिव्यक्ति की आजादी छीनने का प्रयास करके जले पर नमक छिडकने का काम किया। नेपाल में जो घटनाक्रम हुआ, उससे भारत के नेता भी सबक ले सकते हैं। देश की मूल समस्याओं के समाधान के बजाय गुमराह करने वाले मुद्दों पर राजनीति का नतीजा नेपाल विद्रोह है। वैसे तो नेपाल में हुए घटनाक्रम को लेकर कहा जा रहा है कि नेपाल की सरकार ने बीते दिनों फेसबुक, ट्विटर, इंस्टाग्राम, यूट्यूब सहित 26 मीडिया प्लेटफॉर्मों पर बैन लगा दिया था। ओली सरकार ने यह बैन सुप्रीम कोर्ट के फैसले का पालन करते हुए लगाया लेकिन बैन का यह फैसला किशोर एवं युवा पीढ़ी को पसंद नहीं आया। वह इसके खिलाफ सोमवार को सड़कों पर उतर आई और हिंसक प्रदर्शन किया। हिंसा एवं उपद्रव को देखते हुए ओली सरकार ने सोशल मीडिया से बैन तो हटा लिया लेकिन बैन हट जाने के बाद हिंसक विरोध-प्रदर्शन बंद नहीं हुआ। यानि यह विरोध केवल सोशल मीडिया के वैन होने तक सीमित नही था। क्योकि इसके बाद हिंसक प्रदर्शन और उपद्रव भ्रष्टाचार के खिलाफ था। प्रदर्शनकारी राजधानी काठमांडू सहित कई शहरों पर उपद्रव और उत्पात मचाने लगे। चुन-चुनकर पूर्व प्रधानमंत्रियों, कैबिनेट मंत्रियों, नेताओं पर हमले हुए और उन्हें सड़क पर दौड़ाकर मारा-पीटा गया। पूर्व पीएम झालनाथ खनाल की पत्नी को आग के हवाले कर दिया गया। भीड़ ने संसद और सरकारी इमारतों को फूंक दिया। पीएम केपी शर्मा ओली ने पद से इस्तीफा दे दिया और जान बचाकर भागे। इसी तरह करीब एक साल पहले बांग्लादेश में भी हिंसा, उत्पात, आगजनी का नेपाल जैसा ही नजारा देखने को मिला था। आरक्षण, भ्रष्टाचार, आर्थिक बदहाली और विरोधियों को दबाए जाने के खिलाफ बांग्लादेश के छात्रों ने हसीना सरकार के खिलाफ बगावत कर दी। सरकार विरोधी इस मुहिम में बाद में कट्टरपंथी तत्व भी शामिल हो गए। पांच अगस्त 2024 को प्रदर्शनकारियों ने हसीना के सरकारी आवास पर धावा बोल कर वहां जमकर उत्पात मचाया। बंग बंधु की प्रतिमा तोड़ दी। अपनी जान बचाने के लिए शेख हसीना को पीएम पद से इस्तीफा देना पड़ा और भारत में राजनीतिक शरण लेनी पड़ी। आठ अगस्त को मोहम्मद युनूस की अगुवाई में अंतरिम सरकार का गठन हुआ। यहां भी एक चुनी हुई सरकार का तख्तापलट कर दिया गया। म्यांमार भारत के इस पड़ोसी देश में 2021 में सेना ने तख्तालपट कर दिया। यहां तख्तापलट भ्रष्टाचार के खिलाफ हुआ। जुलाई 2022 में श्रीलंका में जनता सरकार के खिलाफ हो गई। महंगाई, भ्रष्टाचार और लड़खड़ाती अर्थव्यवस्था से हताश और निराश लोग राष्ट्रपति गोटाबाया राजपक्षे के खिलाफ सड़कों पर आ गए। लोग राष्ट्रपति भवन में घुस गए और वहां तोड़फोड़ मचाया। गोटाबाया को यहां से जान बचाकर भागना पड़ा। पाकिस्तान में अप्रैल 2022 में नो कॉन्फिडेंस मोशन यानी अविश्वास प्रस्ताव के जरिए इमरान खान को सत्ता से बाहर किया गया। यहां सेना के दबाव में इमरान सरकार को समर्थन देने वाली पार्टियों ने अपना समर्थन वापस ले लिया। अविश्वास प्रस्ताव पेश होने पर इमरान खान अपनी सरकार बचा नहीं पाए और उन्हें अपने पद से इस्तीफा देना पड़ा। अगस्त 2023 में भ्रष्टाचार के मामलों में उनकी गिरफ्तारी हुई। साल 2021 में भारत के पड़ोसी अफगानिस्तान में तालिबान सत्ता में आ गया। मई में अमेरिका सेना के अचानक अफगानिस्तान छोड़ने के बाद यहां के प्रांत एक-एक कर तालिबान के कब्जे में आते गए। 15 अगस्त को राजधानी काबुल पर तालिबान का कब्जा हो गया और राष्ट्रपति अशरफ घानी को देश छोड़कर भागना पड़ा। नेपाल के घटना क्रम के बाद भारत में विपक्षी दलों तथा कतिपय बुद्धिजीवी जिस तरह से बयानबाजी कर रहे है वह उचित नही है। देश को अस्थिर करने का षड़यंत्र और चुनाव के बहाने जनता को भड़काने का खेल किसी भी तरह से जन और राष्टहित में नही है। बहरहाल देश की जनता बहुत समझदार है, उसे मालूम है कि उसे राष्ट हित और स्वंय हित में किसी भी अराजकता को बढ़वा नही देना है। विरोध दर्ज करने के कई अन्य तरीके है। भारत के हालात नेपाल जितने खराब नहीं हैं, किन्तु सत्ताधारी और विपक्ष के नेताओं को एहतियात के तौर पर नेपाल से सबक लेना चाहिए। केन्द्र और राज्य सरकारों को जनता को बरगलाने और आन्दोलित करने वालों पर नजर रखनी होगी।

स्वाधीन भारत और संकुचित मानसिकता

संजीव ठाकुर

स्वावलंबन या आत्मनिर्भरता ही मनुष्य को स्वाधीन बनाने की प्रेरणा देती है। आत्मनिर्भरता की स्थिति में व्यक्ति अपनी इच्छाओं को अपनी सुविधा अनुसार पूरा कर सकता है, इसके लिए दूसरों की तरफ मुंह ताकने की जरूरत नहीं पड़ती है। भारत में स्वाधीनता के मायने कितने लोग समझ पाते हैं और कितना इसका सही और सटीक प्रयोग कर पाते हैं। किसी भी राष्ट्र के लिए शिक्षा और साक्षरता का उस देश और काल को समझने का एक कारगर हथियार हो सकता है पर भारत में मानसिक स्वाधीनता को समझना भी एक बड़ी समस्या है यह अशिक्षा जनित समस्या बहुत ही विकराल है। हम अभी भी पश्चिमी जगत की शिक्षा, कार्यशैली, विज्ञान एवं चिकित्सा पर संपूर्ण रूप से निर्भर हैं केवल एक शिक्षा ही ऐसा अस्त्र है जो स्वतंत्र भारत के नागरिकों को स्वाधीनता के महत्व को समझने में सक्षम होगा ।अतः स्वाधीन भारत के स्वतंत्र नागरिकों को शिक्षा के माध्यम से शारीरिक एवं मानसिक स्वतंत्र नागरिक बनाकर देश के प्रति सजग और सचेत किया जा सकता है। आत्मनिर्भरता केवल मनुष्य के लिए व्यक्तिगत रूप से ही जरूरी नहीं है, बल्कि राष्ट्र के लिए भी अति आवश्यक है ।एक स्वतंत्र राष्ट्र अपनी जनता को अपनी क्षमता के अनुसार सारी सुविधाएं तथा अन्य जीवन उपयोगी साधन उपलब्ध करा सकता है। भारत स्वतंत्रता के बाद हरित क्रांति सातवें दशक के प्रारंभ के बाद ही खाद्यान्न के मामले में आत्मनिर्भर बन सका, इसके साथ ही भारत में खुशहाली की स्वाभाविक तौर पर वृद्धि हुई। पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने भी कहा था कि ष्एक राष्ट्र की शक्ति उसकी आत्मनिर्भरता में है दूसरों से उधार लेकर काम चलाने में नहींष्,पाकिस्तान की स्थिति बिल्कुल ऐसी ही है वह अभी तक स्वतंत्रता के बाद से 78 वर्ष के बाद भी संपूर्ण रूप से आत्मनिर्भर नहीं हो पाया है, वह कर्जे से डूब गया है और अपने देश में खर्चा चलाने के लिए पूरी दुनिया से उधार मांगते हुए घूम रहा है। पाकिस्तान आत्मनिर्भर नहीं होने का एवं उधार की जिंदगी जीने का एक बहुत बड़ा उदाहरण है। जबकि भारत देश विज्ञान, टेक्नोलॉजी, मेडिकल साइंस,इंजीनियरिंग और कृषि सेवा, खनिज,स्पेस रिसर्च में पूर्णता आत्मनिर्भर होकर विकसित देशों के बराबर खड़ा हुआ है। यह देशवासियों और देश के लिए अत्यंत गौरव का विषय है। आत्मनिर्भरता या स्वावलंबन किसी भी देश की प्रगति विकास तथा और उसके नागरिकों की जिंदगी की जिजीविषा है जिससे वह संघर्ष कर आगे बढ़ता है। इतिहास गवाह है कि किसी भी महान लेखक को महान बनने तक निरंतर मेहनत कर किताबें लिखने का का श्रम करना पड़ा एवं आत्मनिर्भरता की स्थिति में विचार कर अपने विचारों को लिपिबद्ध करना पड़ा तब जाकर वह महानता की श्रेणी को प्राप्त कर सका। इसी तरह कोई छात्र अपने जीवन में सफलता प्राप्त करना चाहता है तो उसे स्वयं परीक्षा में शामिल होना पड़ेगा एवं परीक्षा में मनोवांछित सफलता प्राप्त कर उसे स्वयं अध्ययन करना होगा। इसी प्रकार जीवन के हर क्षेत्र में भी मनुष्य को आत्मनिर्भर होकर मेहनत कर दीक्षित सफलता प्राप्त करनी पड़ेगी। हमारा देश भारत भी आजादी के बाद से आत्मनिर्भरता की ओर अग्रेषित हुआ आज स्थिति यह है कि वह विश्व में विकसित राष्ट्रों की श्रेणी में आ खड़ा हुआ है। तमाम महापुरुषों के जीवन से भी हमें आत्मनिर्भरता तथा स्वावलंबन की शिक्षा मिलती रहती है। महात्मा गांधी अपना कार्य स्वयं किया करते थे। गोस्वामी तुलसीदास जी ने भी दैव दैव आलसी पुकारा है, तब जाकर उनकी जिंदगी पटरी पर आई और हमें परिश्रम कर आत्म निर्भर होने की शिक्षा प्रदान की थी। दूसरों पर निर्भरता हमें दूसरों का अनुसरण करने के लिए मजबूर करती है। दूसरों पर निर्भर होने से हमें के अनुरूप ही जीवन जीने के लिए बाध्य होना पड़ता है। पराधीनता हमारा आत्मविश्वास सृजनशीलता सोचने की शक्ति को नष्ट कर देती है। गुलामी एक अभिशाप होती है, आत्मनिर्भरता की कमी हमें किंकर्तव्यविमूढ़ बना देती है। दूसरों की कृपा पर जीने वाला व्यक्ति जीवन के अक्षय आनंद से वंचित रहता है। खुद के परिश्रम श्रम से आगे बढ़ने वाला देश या व्यक्ति या समाज सदैव प्रफुल्लित आत्म विश्वासी तथा विकास की ओर सदैव अग्रसर रहता है। हमें सदैव अपने अंदर के आत्मविश्वास, छिपी हुई क्षमताओं मनोबल का सहारा लेकर आत्मनिर्भर या स्वावलंबी बनने का प्रयास हमेशा करते रहना चाहिए। ऐसा करने से मनुष्य को मनुष्य होने का अधिकार प्राप्त होता है। पराधीन देश सामान्य व्यक्ति सदैव पशु तुल्य होते हैं। जिनका अपना कोई विचार या व्यक्तित्व नहीं हो सकता है। कवि हरिवंश राय बच्चन की कविता-राम सहायक उनके होते, जो होते हैं, आप सहायक, हम सबको स्वयं पर भरोसा रखना आत्मबल बढ़ाने तथा आत्मनिर्भर होने की प्रेरणा देती रहती हैं।

हिन्दी दिवस : भाषा, संस्कृति और? आत्मगौरव

हिन्दी की सहजता उसकी सबसे बड़ी शक्ति है। जैसा लिखा जाता है वैसा ही बोला जाता है। यही सरलता बच्चों के भीतर आत्मविश्वास जगाती है। शोध बताते हैं कि मातृभाषा आधारित शिक्षा बच्चों की स्मृति, पठन और गणितीय क्षमता को कई गुना बढ़ा देती है। हिन्दी दिवस केवल एक स्मरण दिवस नहीं, बल्कि हमारी सांस्कृतिक चेतना और आत्मगौरव का उत्सव है। महात्मा गांधी ने कहा था–मातृभाषा में शिक्षा ही सच्चे अर्थों में मनुष्य की क्षमता को विकसित करती है। यह विचार हमें बताता है कि जब समाज अपनी मातृभाषा से जुड़ा रहता है, तभी उसकी संस्कृति जीवंत और प्रखर बनी रहती है। भारत इस दृष्टि से समृद्ध है, जहाँ 22 संवैधानिक भाषाएँ, 121 प्रमुख भाषाएँ और लगभग 19500 बोलियाँ एक ही राष्ट्र की धारा में प्रवाहित होती हैं। यही विविधता हमारी राष्ट्रीय एकता को गहराई देती है और हमें वैश्विक पटल पर विशिष्ट बनाती है। आज के समय में आवश्यक है कि मातृभाषा को केवल शिक्षा का साधन न मानकर जीवन का आधार समझा जाए। वैश्वीकरण और अंग्रेजी के आकर्षण ने नई पीढ़ी को अवसर दिए हैं, लेकिन यदि अपनी भाषा से दूरी बढ़ती रही तो संस्कृति का रंग फीका पड़ जाएगा। भाषा और संस्कृति का रिश्ता शरीर और आत्मा की तरह है–भाषा सुदृढ़ रहेगी तो संस्कृति भी समृद्ध बनी रहेगी। हिन्दी की सहजता उसकी सबसे बड़ी शक्ति है। जैसा लिखा जाता है वैसा ही बोला जाता है। यही सरलता बच्चों के भीतर आत्मविश्वास जगाती है। शोध बताते हैं कि मातृभाषा आधारित शिक्षा बच्चों की स्मृति, पठन और गणितीय क्षमता को कई गुना बढ़ा देती है। ओडिशा का नुआ अरुणिमा कार्यक्रम इसका

जीवंत उदाहरण है, जहाँ इक्कीस भाषाओं में शिक्षा देकर बच्चों को सहज और आनंदपूर्ण वातावरण मिला। संविधान का अनुच्छेद 350 (क) भी यही दायित्व राज्यों पर डालता है कि भाषाई अल्पसंख्यकों के बच्चों को प्राथमिक स्तर पर मातृभाषा में शिक्षा दी जाए। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 ने भी इस दिशा को और सशक्त किया है। यह सब बताता है कि मातृभाषा आत्मविश्वास, गुणवत्ता और समानता की आधारशिला है। मातृभाषा का महत्व केवल कक्षा तक सीमित नहीं। दादी की कहानियाँ, माँ की लोरी, लोकगीत और त्योहार तब जीवंत होते हैं जब उन्हें अपनी भाषा में सुना और समझा जाए। यही भाषा पीढ़ियों को जोड़ने वाला सेतु है और जीवन को आत्मीयता से भर देती है। इसे ही संस्कृति की जड़ों को सींचने वाली अमिट धारा कहा जाता है। साहित्य मातृभाषा का सबसे उज्ज्वल रूप है। हिन्दी और भारतीय साहित्य की अनेक कृतियाँ समाज और राष्ट्र की चेतना को गढ़ती रही हैं। भारतेन्दु हरिश्चंद्र की भारत दुर्दशा राष्ट्रीय स्वाभिमान जगाती है, मैथिलीशरण गुप्त की साकेत त्याग और आदर्श का संदेश देती है, महादेवी वर्मा की यामा करुणा और संवेदनशीलता को प्रकट करती है, और सुभद्राकुमारी चौहान की कविताएँ आज भी राष्ट्रभक्ति की ज्वाला प्रज्वलित करती हैं। बच्चन की मधुशाला जीवन के दर्शन को सहजता से सामने रखती है, तो दिनकर की रश्मिरथी संघर्ष और वीरता की प्रेरणा देती है। ये कृतियाँ केवल शब्द नहीं, बल्कि हमारी सांस्कृतिक स्मृति और आत्मगौरव की धरोहर हैं। आज की पीढ़ी तकनीक और तेज जीवनशैली में उलझी हुई है। इंटरनेट और मोबाइल ने सुविधा तो दी है, लेकिन संवेदनशीलता और संस्कृति से जुड़ाव कहीं न कहीं कम हुआ है। ऐसे समय में मातृभाषा और साहित्य ही वह ज्योति हैं, जो आत्मा को ऊष्मा और जीवन को दिशा देती हैं। मातृभाषा आत्मविश्वास का बीज बोती है, साहित्य नैतिकता और राष्ट्रप्रेम का वृक्ष उगाता है, और कहानियाँ करुणा की धारा बहाती हैं। यही हमारी सुदृढ़ शरण है, जो हमें भविष्य की चुनौतियों में भी संतुलित रखती है। हिन्दी दिवस का संदेश यही है कि मातृभाषा केवल संवाद का माध्यम नहीं, बल्कि पहचान और आत्मगौरव की धड़कन है। यही वह स्रोत है जिससे सांस्कृतिक पुनर्जागरण की ऊर्जा प्रवाहित होती है। आज आवश्यकता केवल स्मरण की नहीं, बल्कि संकल्प की है–कि मातृभाषा को शिक्षा, साहित्य और जीवन की धारा में उचित स्थान मिले। यदि हम इसे अगली पीढ़ियों तक संजोकर पहुँचाएँगे, तो हमारी संस्कृति न केवल जीवित रहेगी, बल्कि और भी संपन्न और पुष्पित होगी। मातृभाषा आत्मविश्वास की जड़ है और संस्कृति की सबसे मजबूत नींव।

हिंदी की वैश्विक स्वीकार्यता के बावजूद देश में उपेक्षा क्यों?

आज वैश्विक स्तर पर देखा जाए तो जापान ने जापानी, फ्रांस ने फ्रेंच, चीन ने मंदारिन और जर्मनी ने जर्मन को आधुनिक विज्ञान, तकनीक और व्यापार की भाषा बनाया है। ये देश अपनी भाषाओं को वैश्विक बनाते हुए भी अन्य भाषाओं से संवाद स्थापित करते हैं'। हिंदी दिवस केवल एक औपचारिक आयोजनात्मक अवसर नहीं, बल्कि हमारी भाषाई अस्मिता राष्ट्रीयता और सांस्कृतिक आत्मगौरव का प्रयोजनात्मक प्रतीक है। विश्व की सर्वाधिक बोली जाने वाली तीसरी भाषा के रूप में हिंदी विश्व की उन चुनिंदा भाषाओं में से एक है जिसे करोड़ों लोग अपनी मातृभाषा, संपर्क भाषा और सांस्कृतिक अभिव्यक्ति का माध्यम मानते हैं। संयुक्त राष्ट्र संघ सहित अनेक वैश्विक मंचों पर हिंदी अपनी उपस्थिति दर्ज करा चुकी है। दुनिया के लगभग 180 देशों में हिंदी बोलने वाले हैं और अंग्रेजी, मंदारिन, स्पेनिश, अरबी जैसी भाषाओं की सूची में हिंदी भी अब शीर्ष स्थानों पर दर्ज है। फिर भी विडंबना यह है कि अपने ही देश में हिंदी को कई बार विरोध का सामना करना पड़ता है। दक्षिण भारत और पूर्वोत्तर के कुछ हिस्सों में क्षेत्रीय अस्मिता और भाषाई विविधता के नाम पर हिंदी के प्रति असहजता दिखाई जाती है। जबकि वस्तुतः हिंदी किसी भी क्षेत्रीय भाषा की प्रतिद्वंद्वी नहीं, बल्कि उन्हें जोड़ने वाली संपर्क-भाषा है। भारत की भाषाई संरचना में हिंदी एक केंद्रीय सूत्र की तरह है। यदि अंग्रेजी को शिक्षा, प्रशासन और तकनीकी का आधार बनाया जा सकता है, तो हिंदी का विरोध केवल मानसिक दासता का परिणाम माना जा सकता है। आज वैश्विक स्तर पर देखा जाए तो जापान ने जापानी, फ्रांस ने फ्रेंच, चीन ने मंदारिन और जर्मनी ने जर्मन को आधुनिक विज्ञान, तकनीक और व्यापार की भाषा बनाया है। ये देश अपनी भाषाओं को वैश्विक बनाते हुए भी अन्य भाषाओं से संवाद स्थापित करते हैं। जबकि भारत में अभी भी अंग्रेजी के प्रति अनावश्यक मोह और हिंदी के प्रति हीनभावना देखने को मिलती है। यह स्थिति हिंदी की उपयोगिता और सामर्थ्य के विपरीत है। हिंदी न केवल साहित्य और संस्कृति की भाषा है बल्कि विज्ञान, सूचना प्रौद्योगिकी, मीडिया, सिनेमा और व्यापार में भी अपनी जगह बना रही है। इंटरनेट पर हिंदी का प्रयोग तेजी से बढ़ रहा है। गूगल और माइक्रोसॉफ्ट जैसी अंतरराष्ट्रीय कंपनियों ने हिंदी को अपने प्लेटफॉर्म पर प्राथमिक भाषा का स्थान दिया है। यह हिंदी की बढ़ती वैश्विक स्वीकार्यता का प्रमाण है। हिंदी की प्रासंगिकता आज के समय में और भी महत्वपूर्ण हो जाती है क्योंकि यह केवल संचार का माध्यम नहीं, बल्कि भारतीयता की पहचान है। राष्ट्रभाषा के रूप में हिंदी की भूमिका भारत को एकजुट करने और विश्व-पटल पर उसकी सांस्कृतिक छवि को मजबूत करने में अनिवार्य है। भाषा केवल बोलचाल का साधन नहीं, बल्कि आत्मसम्मान और आत्मनिर्भरता का भी आधार है। इसलिए हिंदी का विरोध करना अपने ही सांस्कृतिक आधार को कमजोर करना है। विश्व के 180 से अधिक देशों में हिंदी भाषी लोग रहते हैं और अमेरिका, कनाडा, मॉरीशस, सूरीनाम, फिजी, खाड़ी देशों व यूरोप में हिंदी शिक्षण संस्थान स्थापित हैं। इंटरनेट की भाषा के रूप में हिंदी दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी भाषा बन चुकी है। यह वह स्थिति है जिसकी कल्पना दशकों पहले असंभव मानी जाती थी। लेकिन हिंदी की यह ख्याति केवल आज की तकनीकी क्रांति का परिणाम नहीं है, यह हमारी जड़ों में, संस्कारों में एवं राष्ट्रीयता की भावना में समायी हुई है। स्वतंत्रता आंदोलन में हिंदी ने राष्ट्र को जोड़ने, जन-जन को जागृत करने और अंग्रेजी शासन के विरुद्ध चेतना जगाने का महत्वपूर्ण कार्य किया। महात्मा गांधी ने हिंदी को ह्रजनमानस की भाषाह्व और ह्रराष्ट्रभाषाह्व कहा। लोकमान्य तिलक, पं. नेहरू, राजेंद्र प्रसाद, विनोबा भावे, सुभाषचंद्र बोस और सरदार पटेल सभी ने हिंदी को राष्ट्रीय एकता का सूत्रधार माना। हिंदी प्रेस ने स्वतंत्रता संग्राम की लौ प्रज्वलित की। ह्यप्रतापह्ल, ह्यअभ्युदयह्ल, ह्यकर्मवीरह्ल, ह्यसरस्वतीह्ल जैसी पत्रिकाओं ने जनजागरण का काम किया। कवियों और लेखकों ने अपनी रचनाओं से जनमानस को ऊर्जा दी-भारतेंदु हरिश्चंद्र से लेकर मैथिलीशरण गुप्त तक, सबने हिंदी को स्वतंत्रता संग्राम का शस्त्र बनाया। स्वतंत्रता के बाद से लेकर आज तक अनेक नेताओं ने हिंदी के उत्थान और प्रतिष्ठा के लिए उल्लेखनीय प्रयास किए हैं। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने संयुक्त राष्ट्र महासभा में हिंदी में भाषण देकर विश्व स्तर पर हिंदी की पहचान को सशक्त किया और यह संदेश दिया कि हिंदी अंतरराष्ट्रीय संवाद की भी भाषा बन सकती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी अनेक वैश्विक मंचों-ब्रिक्स सम्मेलन से लेकर संयुक्त राष्ट्र तक, पर हिंदी में अपने वक्तव्य देकर हिंदी को अंतरराष्ट्रीय सम्मान दिलाया है। उनके प्रयासों से संयुक्त राष्ट्र में हिंदी विभाग का विस्तार हुआ और हिंदी समाचार बुलेटिन व डिजिटल प्लेटफॉर्मों पर हिंदी का प्रसार बढ़ा। आज वैश्विक स्तर पर भी हिंदी की उपस्थिति लगातार मजबूत हो रही है। डिजिटल प्लेटफॉर्मों पर हिंदी सामग्री का उपयोग प्रतिदिन बढ़ रहा है। अमेजन प्राइम, नेटफ्लिक्स जैसी वैश्विक कंपनियां हिंदी कंटेंट को प्राथमिकता दे रही हैं। यूनेस्को और अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों में हिंदी का अनुवाद और प्रयोग बढ़ा है।

कोहली 50 साल तक खेलें', इस तालिबान नेता की खास अपील, रोहित के टेस्ट से संन्यास को सही ठहराया

दुबई,: तालिबान नेता ने कहा कि शायद भारतीय मीडिया ने कोहली को परेशान कर दिया हो जिसकी वजह से उन्होंने टेस्ट से संन्यास का फैसला लिया। भारतीय क्रिकेट के दिग्गज विराट कोहली के टेस्ट से संन्यास की निराशा सिर्फ भारत में ही नहीं, बल्कि पड़ोसी देशों तक भी पहुंच चुकी है। अफगानिस्तान के तालिबान नेता और इस्लामिक अमीरात के प्रमुख नेताओं में से एक अनस हक्कानी ने कोहली के फैसले पर हैरानी जताई है और उनसे एक खास अपील की है। हालांकि, उनका रोहित के टेस्ट से संन्यास को लेकर दिया गया बयान हैरान करने वाला रहा। 'कोहली 50 साल तक खेलें' अनस हक्कानी ने एक इंटरव्यू में कहा, 'रोहित का टेस्ट से संन्यास लेना सही था, लेकिन मुझे कोहली के रिटायरमेंट की वजह समझ नहीं आई। दुनिया में बहुत कम खिलाड़ी इतने खास होते हैं। मेरी इच्छा है कि वह कोशिश करें और 50 साल तक खेलें।' उन्होंने आगे कहा कि शायद भारतीय मीडिया ने कोहली को परेशान कर दिया हो जिसकी वजह से उन्होंने यह फैसला लिया।

इस वजह से बच्चों की फोटो नहीं खिंचवाना चाहतीं इलियाना, इंटरव्यू में किया खुलासा

इलियाना ने अपने करियर के दौरान मुंबई के पैपराजी के साथ अपने सकारात्मक अनुभवों का भी जिक्र किया। उन्होंने बताया 'मुंबई के पेप्स के साथ अच्छे संबंध रहे हैं। अभिनेत्री इलियाना डिक्रूज ने साल 2012 में फिल्म 'बर्फी' से बॉलीवुड में डेब्यू किया था। इसके बाद वह कई फिल्मों में नजर आईं। बॉलीवुड में उनके अभिनय की काफी तारीफ हुई। अब फिल्मी दुनिया की चकाचौंध से दूर इलियाना अपने पति माइकल डोलन और अपने दो बच्चों के साथ टेक्सास में पारिवारिक जीवन जी रही हैं। हाल ही में इलियाना डिक्रूज फिल्म 'दो और दो प्यार' में नजर आई थीं। अभिनय में दिलचस्पी रखने वाली इलियाना ने पैपराजी से दूरी बनाई है। हाल ही में एनडीटीवी को दिए एक इंटरव्यू में इलियाना ने अपने बच्चों के साथ भारत में तस्वीरें खिंचवाने की संभावना के बारे में खुलकर बात की। बच्चों की फोटो खिंचवाने के पक्ष में नहीं इलियाना उन्होंने कहा 'अपने बच्चों के साथ तस्वीरें खिंचवाना मुश्किल होता। यह बच्चों के लिए उलझन भरा होता। यह उनके साथ अन्याय है क्योंकि वे समझ ही नहीं पाते कि क्या हो रहा है। मैं बच्चों की फोटो खिंचवाने के पक्ष में नहीं हूं।' बच्चों की भावना बिगड़ सकती है उनकी चिंता इस बात को लेकर है कि उनके बच्चे, जो अभी बहुत छोटे हैं, शायद लगातार पीछा किए जाने और तस्वीरें खींचे जाने की बात को पूरी तरह से समझ नहीं पाएंगे। उनका मानना है कि इस तरह का अत्यधिक ध्यान उनकी सामान्यता की भावना को बिगाड़ सकता है। सोशल मीडिया पैपराजी से अच्छे संबंध रहे हैं इलियाना ने अपने करियर के दौरान मुंबई के पैपराजी के साथ अपने सकारात्मक अनुभवों का भी जिक्र किया। उन्होंने बताया 'मुंबई के पेप्स के साथ मेरे अच्छे संबंध रहे हैं और हर बार जब मैंने उनसे कहा है, 'सुनो, मुझे सहज नहीं लग रहा है, कृपया तस्वीर मत लो,' तो उन्होंने वास्तव में मेरी इच्छा का सम्मान किया है। इसलिए अगर बात ऐसी भी आई, तो मुझे लगता है कि वे समझ जाएंगे कि बच्चों की तस्वीरें नहीं लेनी चाहिए।' इलियाना की शादी और बच्चे इलियाना ने साल 2023 में एक निजी समारोह में माइकल डोलन के साथ शादी कर ली। उसी साल, अगस्त में उन्होंने अपने पहले बच्चे, कोआ फीनिक्स डोलन का स्वागत किया। 19 जून 2025 को को दोनों ने अपने दूसरे बेटे, कीनू राफे डोलन का स्वागत किया।

फिलिस्तीनी निर्देशक बेसल अद्रा के घर पर इस्त्राइली सैनिकों ने की छापामरी, बोले- चाचा को हिरासत में

हाल ही में ऑस्कर विजेता फिलिस्तीनी निर्देशक बेसल अद्रा ने बताया कि इस्त्राइली सैनिकों ने उनके घर पर छापा मारा। जानिए पूरी खबर। फिलिस्तीन के मशहूर निर्देशक बेसल अद्रा के साथ हैरान करने वाला वाकया हुआ। उन्होंने बताया कि शनिवार को उनके वेस्ट बैंक स्थित घर पर इस्त्राइली सैनिकों ने आकर छानबीन की। साथ ही उनकी पत्नी के फोन की भी जांच की। बेसल अद्रा ने एसोसिएटेड प्रेस को बताया कि इस्त्राइली सैनिकों ने उनके गांव पर हमला किया, जिसमें उनके दो भाई और एक चचेरा भाई घायल हो गए। वह उनके साथ अस्पताल गए। वहां रहते हुए, उन्होंने बताया कि उन्हें गांव में अपने परिवार से पता चला कि नौ इस्त्राइली सैनिकों ने उनके घर पर धावा बोल दिया है। बेसल ने आगे बताया कि सैनिकों ने उनकी पत्नी सुहा से बेसल के बारे में पूछा और उनका फोन खंगाला, उस समय उनकी नौ महीने की बेटी घर पर थी। उन्होंने बताया कि सैनिकों ने उनके एक चाचा को भी कुछ देर के लिए हिरासत में लिया। साथ ही कहा कि वह घर नहीं जा रहे थे कि क्योंकि उन्होंने उनके घर को चारों तरफ से घेर रखा था। बेसल अद्रा ने कहा- भयावह घटना बेसल ने कहा कि उन्हें लगता है कि ऑस्कर जीतने के बाद से उन्हें और भी ज्यादा निशाना बनाया जा रहा है। उन्होंने बताया, 'अगर आप बसने वालों का सिर्फ फिल्म बना रहे हैं, तो भी सेना आती है और आपका पीछा करती है, आपके घर की तलाशी लेती है। यह पूरी व्यवस्था हम पर हमला करने, हमें डराने और हमें बहुत डराने के लिए बनाई गई है।' सह-निर्देशक युवल ने घटना की निंदा की बेसल के साथ हुई इस घटना पर सह-निर्देशक युवल अब्राहम ने प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा, 'आज उनके गांव में जो हुआ, हमने इस तरह की गतिशीलता को बार-बार देखा है। जहां इस्त्राइली, बसने वाले एक फिलिस्तीनी गांव पर क्रूरतापूर्वक हमला करते हैं और बाद में सेना आकर फिलिस्तीनियों पर हमला करती है।

15 साल के जोनस कोनर की गायकी के कायल हुए सलमान खान, बोले- उन्हें प्रोस्ताहित करो, शोषण नहीं

सलमान खान इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'बैटल ऑफ गलवां' की शूटिंग में व्यस्त हैं। अभिनेता ने एक पोस्ट किया, जिसमें वो 15 साल के जोनस की गायकी के दीवाने हो गए। साथ ही लोगों को उन्हें प्रोस्ताहित करने के लिए कहा है। बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान अपनी आगामी फिल्म 'बैटल ऑफ गलवां' से तो चर्चा में हैं ही। हाल ही में वो अपनी सोशल मीडिया पोस्ट से नेटिजंस का ध्यान खींच रहे हैं। इस पोस्ट में उन्होंने 15 साल के गायक जोनस कोनर को एक खूबसूरत अंदाज में बधाई दी है। साथ ही उन्होंने जोनस के कुछ गानों का भी जिक्र किया और उन्हें लोगों से प्रोस्ताहित करने के लिए कहा है। जानिए उन्होंने क्या कहा। सलमान ने की तारीफ सलमान ने आज रविवार को अपने एक्स हैंडल पर जोनस कोनर की तस्वीर साझा की है। इस पोस्ट में उन्होंने जोनस के तीन गानों का भी जिक्र किया है। अभिनेता ने ट्वीट में लिखा, 'मैंने कभी किसी 15 साल के बच्चे को अपने दर्द को इतनी खूबसूरत तरीके से बयां करते नहीं देखा। भगवान तुम्हारा भला करे जोनस कोनर। बार-बार सुन रहा हूं, फादर इन ए बाइबल, पीस विथ पेन, ओह अप्पालाचिया। आगे उन्होंने कहा,ऐसे बच्चों को ना सपोर्ट किया तो फिर क्या किया।

कोलकाता में हुई 'द बंगाल फाइल्स' की स्क्रीनिंग, विवेक बोले- 600 लोग फिल्म देख रहे और 2 हजार..

द बंगाल फाइल्स' के निर्देशक विवेक अग्नहोत्री ने फिल्म को लेकर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि फिल्म में दिखाया गया है कि बंगाल में दो संविधान है। तमाम विवादों के बाद शनिवार के दिन कोलकाता में एक सिनेमाघर में 'द बंगाल फाइल्स' की स्पेशल स्क्रीनिंग हुई। अब इस फिल्म के निर्देशक विवेक अग्निहोत्री ने कहा कि फिल्म में बंगाल के दो संविधान को दिखाया गया है। चलिए जानते हैं उन्होंने क्या कहा। आजादी से पहले भी दो संविधान थे 'द बंगाल फाइल्स' के निर्देशक विवेक अग्निहोत्री ने एएनआई से बातचतीत करते हुए फिल्म के बारे में विचार प्रकट किए। उन्होंने कहा, हमने अपनी फिल्म में दिखाया है कि यहां दो संविधान हैं। आजादी से पहले भी दो संविधान थे, एक हिंदुओं का और एक मुसलमानों का। इस फिल्म पर प्रतिबंध लगाकर इस सरकार ने साबित कर दिया है कि राज्य में दो संविधान हैं। यहां कोई भी भारतीय संविधान का पालन नहीं करता। लेकिन आज

थिएटर में मौजूद 600 लोगों और प्रतीक्षा में मौजूद 2000 लोगों ने साबित कर दिया है कि वे इस तानाशाही को बर्दाश्त नहीं करेंगे। कोलकाता में हुई स्पेशल स्क्रीनिंग शनिवार को द बंगाल फाइल्स की स्पेशल स्क्रीनिंग हुई। कोलाकात के अलीपुर स्थित नेशनल लाइब्रेरी में फिल्म का विशेष प्रीमियर आयोजित किया गया, इसका आयोजन खोला हवा नामक संस्था द्वारा किया गया। साथ ही आपको बतात चलें कि राज्य सरकार के विरोध के कारण बंगाल के किसी भी सिनेमा हॉल में द बंगाल फाइल्स की स्क्रीनिंग नहीं की जा रही है। विवेक अग्निहोत्री ने शेयर किया था पोस्ट शनिवार के दिन विवेक अग्निहोत्री ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट किया था। इसमे निर्देशक सिनेमाहॉल में खड़े दिख रहे हैं। साथ ही कैप्शन में लिखा, 'मंच तैयार है। आज रात कोलकाता के प्रतिष्ठित राष्ट्रीय पुस्तकालय में 550 लोग 'द बंगाल फाइल्स' देखेंगे । 2000 लोग इंतजार में हैं।'

गोलीबारी की घटना के बाद दिशा पाटनी ने साझा किया पहला पोस्ट, फैंस बोले- आपने आग लगा दी

दिशा पाटनी के बरेली वाले घर पर फायरिंग की घटना के बाद अभिनेत्री पहली बार किसी पब्लिक इवेंट पर स्पॉट हुईं। हालांकि एक्ट्रेस ने अब तक घटना पर कोई बात नहीं की है। बॉलीवुड एक्ट्रेस दिशा पाटनी इन दिनों सुर्खियों में हैं। वजह कोई फिल्म या नया प्रोजेक्ट नहीं, बल्कि उत्तर प्रदेश के बरेली स्थित उनके घर के बाहर हुई गोलीबारी की घटना है। शुक्रवार सुबह अचानक हुई इस वारदात ने उनके परिवार और फैंस को सख्ते में डाल दिया। दिशा ने खुद इस घटना पर कोई बयान नहीं दिया है। हालांकि उन्होंने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट जरूर शेयर किया है। वारदात के दो दिन बाद दिशा पाटनी ने इंस्टाग्राम पर न्यूयॉर्क फैशन वीक से अपनी कुछ लेटेस्ट तस्वीरें शेयर कीं। इन तस्वीरों में वो इंटरनेशनल ब्रांड के स्प्रिंग कलेक्शन 2026 के लिए डिजाइनर वेरोनिका लियोनी के ब्लैक बैकलेस गाउन में बेहद स्टाइलिश नजर आ रही थीं। परिवार और प्रशंसकों की चिंता हालांकि, बरेली में मौजूद उनका परिवार इस पूरे घटनाक्रम से बेहद दहशत में है। पिता जगदीश पाटनी ने साफ कहा है कि पुलिस हर संभव कदम उठा रही है लेकिन परिवार अब भी डरा हुआ है। इधर, फैंस लगातार दिशा की सुरक्षा को लेकर चिंता जता रहे हैं और सोशल मीडिया पर तरह-तरह की प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं। बरेली में मचा हड़कंप दरअसल, बरेली के सिविल लाइंस इलाके में स्थित दिशा पाटनी के घर के बाहर दो अज्ञात हमलावरों ने अंधाधुंध फायरिंग की। गोलीबारी इतनी तेज थी कि इलाके में अफरातफरी मच गई। शुरूआती जांच में बताया गया कि हमलावरों ने 8 से 10 राउंड गोलियां चलाईं, जिनकी आवाज दूर तक सुनाई दी। दिशा के पिता जगदीश पाटनी ने भी इस घटना की पुष्टि करते हुए कहा कि हथियार देसी नहीं बल्कि विदेशी थे।

नागिन से लेकर हॉरर फिल्मों के लिए मशहूर रहे राजकुमार कोहली, सेट पर सुनाते थे मजेदार किस्से

राजकुमार कोहली हिंदी सिनेमा के मशहूर निमार्ता-निर्देशक थे, जिन्होंने 1970 और 80 के दशक में कई ब्लॉकबस्टर फिल्में दीं। उनकी फिल्में जैसे नागिन, जानी दुश्मन, बदले की आग और नौकर बीवी का ने उन्हें बहुत प्रसिद्धि दिलाई। जानिए उनकी सेट के रोचक किस्से और कहानियां. राजकुमार कोहली ने हिंदी सिनेमा को कई यादगार फिल्में दीं और मल्टी-स्टारर और हॉरर फिल्मों का नया दौर शुरू किया। सेट पर उनके किस्से उनकी मेहनत और जुनून को दशार्ते हैं। वे बॉलीवुड के एक ऐसे सितारे थे, जिनकी चमक आज भी फिल्म प्रेमियों के दिलों में बरकरार है। राजकुमार कोहली का जन्म 14 सितंबर 1930 को लाहौर (अब पाकिस्तान) में हुआ था। उनके पिता भी फिल्म निमार्ता थे, जिससे उन्हें बचपन से ही फिल्मों का शौक था। उन्होंने पंजाबी अभिनेत्री निशि से शादी की। निशि के साथ उनकी मुलाकात 1963 में फिल्म 'पिंड दी कुड़ी' के सेट पर हुई थी, जहां दोनों का प्यार परवान चढ़ा। उनके दो बेटे हैं - अरमान कोहली, जो एक अभिनेता हैं और रियलिटी शो बिग बॉस में नजर आए, और रजनीश कोहली। राजकुमार कोहली ने अपने करियर की शुरूआत 1963 में फिल्म 'सपनी' से की थी। उनकी पहली बड़ी सफलता 1966 में 'दुल्ला भट्टी' और 1970 में 'लुटेरा' से मिली। लेकिन असली पहचान उन्हें 1976 में फिल्म 'नागिन' से मिली, जो उस समय की सुपरहिट फिल्म थी। उन्होंने बॉलीवुड में मल्टी-स्टारर और हॉरर फिल्मों का चलन शुरू किया। उनकी फिल्मों में सुनील दत्त, धर्मेंद्र, जीतेंद्र, शत्रुघ्न सिन्हा, रीना रॉय और रेखा जैसे बड़े सितारे शामिल थे। उनकी आखिरी फिल्म 2002 में 'जानी दुश्मनः एक अनोखी कहानी' थी, जिसमें अक्षय कुमार, अरमान कोहली और सुनील शेट्टी जैसे सितारे थे। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, नागिन की शूटिंग के दौरान सांपों को लेकर सेट पर काफी डर का माहौल था। अभिनेत्री रीना रॉय ने एक इंटरव्यू में बताया था।

'बॉयकॉट' बहस से हिला ड्रेसिंग रूम, महामुकाबले से पहले भारतीय खिलाड़ी बेचैन? गंभीर ने इस तरह समझाया

दुबई , रिपोर्ट के मुताबिक, सूर्यकुमार यादव, शुभमन गिल और टीम के अन्य युवा खिलाड़ी इन चचाओं से मानसिक रूप से प्रभावित हुए हैं और अंदर ही अंदर काफी परेशान महसूस कर रहे हैं। भारत और पाकिस्तान के बीच एशिया कप 2025 का महामुकाबला जैसे-जैसे नजदीक आ रहा है, सोशल मीडिया पर इस मैच को 'बॉयकॉट' करने की मांग भी तेज होती जा रही है। रविवार को भी 'बॉयकॉट क्ठऊ५२ ढअड' ट्रेंड करता रहा। हालांकि, एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि यह बहस अब केवल जनता तक सीमित नहीं रही, बल्कि इसका असर भारतीय टीम के खिलाड़ियों तक भी पहुंच गया है। रिपोर्ट के मुताबिक, सूर्यकुमार यादव, शुभमन गिल और टीम के अन्य युवा खिलाड़ी इन चचाओं से मानसिक रूप से प्रभावित हुए हैं और अंदर ही अंदर काफी परेशान महसूस कर रहे हैं। गंभीर से ली खिलाड़ियों ने मानसिक मजबूती की सलाह टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के मुताबिक, इस तनावपूर्ण माहौल को देखते हुए खिलाड़ियों ने टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर और अन्य सपोर्ट स्टाफ से बातचीत की और इस स्थिति से निपटने के लिए मार्गदर्शन मांगा।

डोनाल्ड ट्रंप की टैरिफ चेतावनी पर भड़का ड्रैगन, कहा- चीन किसी युद्ध का हिस्सा नहीं...

स्लोवेनिया , चीन पर 50-100% टैरिफ लगाने की ट्रंप की चेतावनी पर चीन ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। स्लोवेनिया में विदेश मंत्री वांग यी ने कहा कि जंग और प्रतिबंध से समस्याएं नहीं सुलझतीं, बल्कि हालात और बिगड़ते हैं। ट्रंप ने रूस-यूक्रेन युद्ध तक चीन पर भारी टैक्स लगाने की वकालत की थी, जिसे चीन ने शांति विरोधी करार दिया है। अमेरिका और चीन के बीच टैरिफ को लेकर विवाद बढ़ता ही जा रहा है। कारण है कि बीते दिनों राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चीन पर 50% से 100% टैरिफ करने की चेतावनी दी थी। ऐसे में अब ड्रैगन ने भी ट्रंप की चेतावनी पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। चीन के विदेश मंत्री वांग यी ने कहा कि जंग से समस्याएं नहीं सुलझतीं और प्रतिबंधों से हालात और बिगड़ते हैं। बता दें कि डोनाल्ड ट्रंप ने शनिवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रूथ सोशल पर लिखा कि नाटो को चीन पर 50-100% टैक्स लगाना चाहिए और यह टैक्स रूस-यूक्रेन युद्ध खत्म होने तक जारी रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि चीन का रूस पर मजबूत नियंत्रण है, और ये ताकतवर टैक्स उस पकड़ को तोड़ सकते हैं'। क्या बोले चीन के विदेश मंत्री? स्लोवेनिया में वहां की डिप्टी पीएम और विदेश मंत्री तान्या फयोन से मुलाकात के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में वांग यी ने अमेरिकी चेतावनी का जवाब दिया। उन्होंने कहा कि चीन किसी भी युद्ध में भाग नहीं लेता और न ही उसकी कोई योजना है। चीन हमेशा शांति वार्ता और राजनीतिक समाधान को बढ़ावा देता है। उन्होंने यह भी कहा कि प्रतिबंध और टैरिफ से हालात नहीं सुधरते, बल्कि और उलझते हैं। चीन और यूरोप के संबंध पर भी बोले वांग इसके साथ ही वांग यी ने कहा कि चीन और यूरोप को प्रतिस्पर्धी नहीं, बल्कि सहयोगी बनना चाहिए। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र चार्टर के सिद्धांतों को साथ मिलकर सुरक्षित रखने की बात कही और दुनिया में फैले संघर्षों

को शांति से सुलझाने पर जोर दिया। ट्रंप का चीन पर गंभीर आरोप गौरतलब है कि ट्रंप इससे पहले भी चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग पर अमेरिका के खिलाफ साजिश करने का आरोप लगा चुके हैं। यह आरोप उस वक्त लगाया गया था जब चीन ने तीन सितंबर को अब तक की सबसे बड़ी सैन्य परेड की थी, जिसमें उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन भी शामिल हुए थे। हालांकि ट्रंप ने बाद में कहा कि उनके व्यक्तिगत संबंध शी जिनपिंग से बहुत अच्छे हैं।

'हमास नेता संघर्षविराम नहीं होने दे रहे', इस्त्राइली पीएम बोले- इनसे छुटकारा पाकर ही खत्म होगी लड़ाई

तेल अवीव , प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने सोशल मीडिया पर साझा एक वीडियो संदेश में कहा कि 'इस्त्राइल, हमास नेताओं के खिलाफ, चाहे वे कहीं भी हों, कार्रवाई करेगा, जब तक कि कतर उन्हें बाहर न निकाल दे या न्याय न हो जाए।' विस्तार इस्त्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने दावा किया कि कतर में हमास नेता संघर्षविराम के प्रयासों में बाधा डाल रहे हैं और गाजा में संघर्ष को बढ़ा रहे हैं। नेतन्याहू ने कहा कि कतर में रह रहे हमास नेताओं से छुटकारा पाकर ही शांति स्थापित हो सकती है। बेंजामिन नेतन्याहू ने सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में कतर सरकार पर भी निशाना साधा और हमास नेताओं को पनाह देने का आरोप लगाया। इस्त्राइल का कतर पर निशाना नेतन्याहू ने लिखा कि 'कतर में रह रहे हमास के आतंकी प्रमुखों को गाजा के लोगों की कोई परवाह नहीं है। उन्होंने युद्ध को अंतहीन रूप से खींचने के लिए युद्धविराम के सभी प्रयासों को बाधित कर दिया। उनसे छुटकारा पाकर ही हमारे सभी बंधक रिहा हो सकेंगे और युद्ध समाप्त हो सके गा।' इस्त्राइली पीएम नेतन्याहू की यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब इस्त्राइल ने शीर्ष हमास नेताओं को शरण देने के लिए कतर की बार-बार आलोचना की है। नेतन्याहू ने सोशल मीडिया पर साझा एक वीडियो संदेश में कहा कि 'इस्त्राइल, हमास नेताओं के खिलाफ, चाहे वे कहीं भी हों, कार्रवाई करेगा, जब तक कि कतर उन्हें बाहर न निकाल दे या उन्हें न्याय न हो जाए।' इस्त्राइल के कतर में किए गए हमले पर विवाद इस्त्राइली वायुसेना ने मंगलवार को हमास के नेताओं को निशाना बनाने के लिए कतर की राजधानी दोहा में बड़ा हवाई हमला किया था। इस हमले में हमास के नेताओं की मौत हो गई थी। कतर पर हुए हमले की मध्य पूर्व और उसके बाहर कई देशों ने व्यापक निंदा की। इसके बाद कतर और इस्त्राइल के बीच तनाव बढ़ गया। साथ ही युद्ध को समाप्त करने और गाजा में हमास द्वारा बंधक बनाए गए लोगों को मुक्त कराने के लिए चल रही बातचीत खतरे में पड़ गई है। हमले के बाद हमास ने कहा कि उसके शीर्ष नेता हमले में बच गए, लेकिन पांच निचले स्तर के सदस्य मारे गए। इसमें गाजा में हमास के नेता और उसके शीर्ष वार्ताकार खलील अल-हय्या का बेटा, तीन अंगरक्षक और अल-हय्या के कार्यालय का प्रमुख शामिल है।

मैड्रिड वार्ता से पहले चीन का बड़ा कदम, अमेरिका की चिप कंपनियों पर शुरू की जांच

बीजिंग , चीन ने अमेरिका की सेमीकंडक्टर कंपनियों के खिलाफ एंटी-डंपिंग और भेदभाव जांच शुरू कर दी है। यह कदम स्पेन के मैड्रिड में दोनों देशों के बीच अहम बातचीत से पहले आया है। अमेरिका ने हाल ही में 23 चीनी कंपनियों को सुरक्षा कारणों से एंटिटी लिस्ट में डाला है, जिसमें प्रमुख चिप कंपनी एसएमआईसी से जुड़ी दो कंपनियां भी शामिल हैं। चीन ने अमेरिका के साथ टैरिफ, व्यापार और सुरक्षा को लेकर चल रहे तनाव की बीच एक बड़ा कदम उठाया है। इसके तहत चीन ने शनिवार को अमेरिका की सेमीकंडक्टर (चिप) कंपनियों के खिलाफ दो बड़ी जांचें शुरू कर दी हैं। ये कदम स्पेन के मैड्रिड में होने वाली अहम बातचीत से ठीक पहले उठाया गया है। मामले में चीन के वाणिज्य मंत्रालय ने बताया कि अमेरिका से आयात की जाने वाली कुछ एनालॉग चिप्स (जैसे कि इंटरफेस और गेट ड्राइवर चिप्स) पर एंटी-डंपिंग जांच शुरू की गई है। ये चिप्स टेक्सास इंस्ट्रूमेंट्स और ऑन सेमीकंडक्टर जैसी अमेरिकी कंपनियां बनाती हैं। इसके साथ ही चीन ने अमेरिका द्वारा चीन की चिप इंडस्ट्री के खिलाफ भेदभावपूर्ण रवैये की भी जांच शुरू की है। बता दें कि यह कदम ऐसे समय पर उठाया गया है जब अमेरिका ने शुक्रवार को 23 चीनी कंपनियों को एंटिटी लिस्ट में शामिल कर लिया है, जिन पर अमेरिका के सुरक्षा और विदेश नीति हितों के खिलाफ काम करने का आरोप है। इस सूची में चीन की प्रमुख चिप कंपनी (एसएमआईसी) के लिए उपकरण खरीदने वाली दो कंपनियां भी शामिल हैं। मैड्रिड में चीन और अमेरिकी वित्त मंत्री की मुलाकात मैड्रिड में रविवार से बुधवार के बीच अमेरिका के वित्त मंत्री स्कॉट बेसेन्ट और चीन के उप-प्रधानमंत्री हे लिफेंग के बीच बातचीत होगी। यह मुलाकात दोनों देशों के बीच चल रही चचाओं की एक कड़ी है, जिनका मकसद ट्रेड वॉर को टालना और आपसी संतुलन बनाना है। इससे पहले दोनों देश मई में जेनेवा, जून में लंदन और जुलाई में स्टॉकहोम में बातचीत कर चुके हैं। हालांकि अब तक कई बार 90 दिनों के लिए नई टैरिफ (आयात शुल्क) रोकने पर सहमति बनी है। पिछली मुलाकात को बेसेन्ट ने बताया था सकारात्मक वहीं बेसेन्ट ने पिछली बातचीत को बहुत गहन और सकारात्मक बताया था। उन्होंने कहा था कि हमें सिर्फ कुछ रणनीतिक इंडस्ट्रीज जैसे रेयर अर्थ, सेमीकंडक्टर और दवाओं में जोखिम कम करने की जरूरत है। हम दोनों देश इस दिशा में साथ मिलकर काम कर सकते हैं। गौरतलब है कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडन दोनों ने चीन की उन्नत चिप टेक्नोलॉजी पर कड़ी पाबंदियां लगाई हैं, जिसमें चिप बनाने वाले उपकरणों की बिक्री पर रोक भी शामिल है।

सुशीला कार्की ने प्रधानमंत्री पद का कार्यभार संभाला, कहा- मैं और मेरी टीम सत्ता का स्वाद चखने नहीं आए

काठमांडू , नेपाल में सुशीला कार्की के नेतृत्व में अंतरिम सरकार के गठन के बाद राजनीतिक स्थिरता के साथ ही शांति और सामान्य जनजीवन की स्थिति धीरे-धीरे बहाल होने लगी है। पूरे देश से कर्फ्यू हटा दिया गया है। अब अंतरिम सरकार अपने कैबिनेट का विस्तार करने की तैयारी में जुटी हुई है। नेपाल की नवनियुक्त अंतरिम प्रधानमंत्री सुशीला कार्की रविवार सुबह 11 बजे सिंह दरबार में आधिकारिक रूप से कार्यभार संभाल लिया। पूर्व मुख्य न्यायाधीश कार्की को शुक्रवार रात को अंतरिम सरकार की प्रधानमंत्री के रूप में नियुक्त किया गया था। इसके साथ ही प्रधानमंत्री सुशीला कार्की रविवार को अपने मंत्रिमंडल का विस्तार कर सकती हैं। वह मंत्रियों के नामों को अंतिम रूप देने में अपने सहयोगियों के साथ विचार-विमर्श कर रही हैं। बताया जा रहा है कि मंत्रिमंडल का विस्तार छोटा होगा। अंतरिम प्रधानमंत्री का पदभार संभालने के बाद सुशीला कार्की ने कहा, हिंसा में शामिल लोगों की जांच की जाएगी। मैं और मेरी टीम यहां सत्ता का स्वाद चखने नहीं आए हैं। हम छह महीने से अधिक नहीं रुकेंगे। हम नई संसद को जिम्मेदारी सौंप देंगे। आपके सहयोग के बिना हमें सफलता नहीं मिलेगी। उन्होंने कहा कि, नेपाल में 24 घंटे की आवाजाही पहली प्राथमिकता है। वे आर्थिक समानता और भ्रष्टाचार उन्मूलन की मांग कर रहे हैं। वहीं दूसरी ओर पीएम कार्की गृह, विदेश और रक्षा समेत लगभग दो दर्जन मंत्रालय अपने पास रख सकती हैं। मंत्रिमंडल विस्तार की चचाओं के बीच शनिवार को समय निकालकर वह सरकार विरोधी प्रदर्शन में घायलों से मिलने सिविल अस्पताल भी गईं थीं। शुक्रवार को शपथ लेने के तुरंत बाद भी वह अस्पताल जाकर घायलों का हाल जाना था। मंत्रिमंडल में शामिल किए जा सकते हैं 15 मंत्री काठमांडू पोस्ट के मुताबिक, कार्की ने अपने मंत्रिमंडल को अंतिम रूप देने की तैयारी के लिए जेन जी आंदोलन के करीबी सलाहकारों और प्रमुख हस्तियों के साथ परामर्श शुरू कर दिया है। उनके एक सहयोगी ने दावा किया है कि कार्की रविवार सुबह अपने मंत्रिमंडल के गठन के लिए गहन चर्चा शुरू करेंगी। सभी 25 मंत्रालयों पर अधिकार रखने के बावजूद वह कथित तौर पर 15 से अधिक मंत्रियों के साथ एक सुव्यवस्थित मंत्रिमंडल बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। इन नामों पर चल रहा है विचार काठमांडू पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार मंत्री पदों के लिए जिन नामों पर विचार किया जा रहा है उनमें कानूनी विशेषज्ञ ओम प्रकाश आर्यल, पूर्व सेना अधिकारी बालानंद शर्मा, सेवानिवृत्त न्यायमूर्ति आनंद मोहन भट्टाराई, माधव सुंदर खड़का, अशीम मान सिंह बसन्यात और ऊर्जा विशेषज्ञ कुलमन घीसिंग शामिल हैं। चिकित्सा क्षेत्र से डॉ. भगवान कोइराला, डॉ. संदुक रुइत, डॉ. जगदीश अग्रवाल और डॉ. पुकार चंद्र श्रेष्ठ जैसे प्रमुख लोगों के नामों पर विचार चल रहा है। नामों को लेकर हो रही है ऑनलाइन वोटिंग काठमांडू पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार, जेनरेशन जेड के सदस्य भी समानांतर परामर्श कर रहे हैं। इसके लिए वह ऑनलाइन वोटिंग का भी सहारा ले रहे हैं। अगर इन नामों पर आम सहमति बन जाती है, तो मंत्रिमंडल रविवार शाम तक शपथ ले सकता है, हालांकि चर्चा के नतीजों के आधार पर इसे सोमवार तक के लिए भी टाला जा सकता है। 5 मार्च 2026 को होंगे संसदीय चुनाव नेपाल के राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल ने शुक्रवार को नव नियुक्त अंतरिम प्रधानमंत्री सुशीला कार्की की सिफारिश पर देश की संसद (प्रतिनिधि सभा) को भंग कर दिया था। राष्ट्रपति कार्यालय की ओर से जारी सूचना के अनुसार सदन का विघटन 12 सितंबर 2025 की रात 11 बजे से प्रभावी हुआ। अंतरिम सरकार बनने के साथ ही अधिकारियों ने देश में नए सिरे से संसदीय चुनाव कराने का भी एलान कर दिया। नेपाल में अब 5 मार्च 2026 को आम चुनाव कराए जाएंगे। सोमवार से खुलेंगे स्कूल काठमांडू महानगरपालिका क्षेत्र के स्कूलों में सोमवार से कक्षाएं शुरू होंगी। शनिवार को जारी सूचना में महानगर ने कहा कि शिक्षक और कर्मचारी रविवार को ही स्कूल में उपस्थित होंगे, लेकिन पढ़ाई सोमवार से शुरू होगी। रविवार को स्कूलों में प्रशासनिक काम, क्षति का मूल्यांकन और विवरण संकलन किया जाएगा। अधिकारियों के अनुसार, जो स्कूल संचालन योग्य स्थिति में होंगे वहां कक्षाएं होंगी। युवाओं के आंदोलन के कारण 8 सितंबर से स्कूल बंद थे। नेपाल में धीरे-धीरे

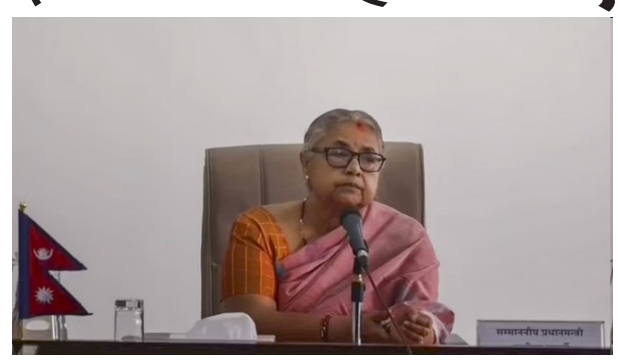

सामान्य हो रहा जनजीवन कई दिनों की अशांति के बाद नेपाल में अब धीरे-धीरे जनजीवन सामान्य हो रहा है। काठमांडो घाटी समेत देश के अन्य हिस्सों से शनिवार को कर्फ्यू और प्रतिबंधात्मक आदेश हटा लिया गया। दुकानें, किराना स्टोर, सब्जी बाजार और शॉपिंग मॉल दोबारा खुल गए हैं। सड़कों पर भी वाहनों की चहल-पहल बढ़ गई है। मीडिया रिपोर्ट में कहा गया है कि सेना ने प्रतिबंधात्मक आदेश या कर्फ्यू को शनिवार से आगे नहीं बढ़ाया है। प्रतिबंध हटने के साथ ही सार्वजनिक परिवहन सेवा पुनः शुरू हो गई। काठमांडू से देश के कई भागों के लिए लंबी दूरी की बसों का संचालन भी शुरू हो गया है। हालांकि, काठमांडू के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बिश्वो अधिकारी के अनुसार, हालांकि काठमांडू घाटी के अधिकांश क्षेत्र अब प्रतिबंधों से मुक्त हैं, लेकिन संभावित विरोध प्रदर्शनों को रोकने और व्यवस्था बनाए रखने के लिए कुछ संवेदनशील क्षेत्रों में प्रतिबंध जारी रहेंगे। प्रमुख सरकारी भवनों समेत कई स्थानों पर सफाई अभियान चलाया गया, जिन्हें हाल ही में हिंसक विरोध प्रदर्शनों के दौरान प्रदर्शनकारियों की तरफ से तोड़फोड़ कर आग के हवाले कर दिया गया था। सोशल मीडिया पर प्रतिबंध के खिलाफ केपी शर्मा ओली सरकार के खिलाफ शुरू हुए जेन-जी के आंदोलन के दौरान कम से कम 51 लोग मारे गए थे। पीएम ओली समेत उनके मंत्रियों को पद छोड़ने पर मजबूर होना पड़ा। इसके बाद नेपाल की सेना ने सुरक्षा व्यवस्था को अपने हाथों में ले लिया था।

कनाडा में आव्रजन विरोधी रैली के दौरान जमकर बवाल, टोरंटो पुलिस ने 10 लोगों को किया गिरफ्तार

टोरंटो , कनाडा में आव्रजन को लेकर बहस और विवाद लगातार बढ़ रहा है। एक तरफ ऐसे समूह हैं जो मानते हैं कि बढ़ता आव्रजन संसाधनों पर बोझ है, जबकि दूसरी तरफ ऐसे लोग भी हैं जो प्रवासियों को समाज की ताकत मानते हैं और उनके खिलाफ हो रही नफरत का विरोध करते हैं। कनाडा के टोरंटो शहर में शनिवार दोपहर एक आव्रजन विरोधी रैली और उसके जवाब में हुए बड़े विरोध प्रदर्शन के दौरान जमकर हंगामा हुआ। इस दौरान टोरंटो पुलिस ने 10 लोगों को गिरफ्तार किया। यह घटना शहर के क्रिस्टी पिट्स पार्क इलाके में हुई। पहली गिरफ्तारी और रैली की शुरूआत एक स्थानीय समाचार एजेंसी के मुताबिक, सबसे पहली गिरफ्तारी दोपहर 12:40 बजे (स्थानीय समय) के आसपास ब्लूर स्ट्रीट वेस्ट और क्रिस्टी स्ट्रीट के पास हुई, जहां एक व्यक्ति पर हमले का आरोप लगा। इसके बाद दिन भर में कुल 10 गिरफ्तारियां की गईं। यह रैली 'कनाडा फर्स्ट पैट्रियट रैली' के नाम से आयोजित की गई थी। आयोजकों का दावा था कि यह रैली 'सामूहिक आप्रवासन' यानी बड़े पैमाने पर हो रहे आव्रजन के खिलाफ और कनाडाई मूल्यों की रक्षा के लिए की जा रही है। रैली के आयोजक जो एनीडजार ने रेडियो-कनाडा को बताया, 'हमारा मकसद है कि कनाडाई नागरिकों को प्राथमिकता दी जाए, देश को पहले रखा जाए। बड़े पैमाने पर हो रहा आव्रजन हमारे राष्ट्रीय संसाधनों पर दबाव डाल रहा है।' विरोध-प्रदर्शन में सैकड़ों लोग जुटे इस रैली का विरोध करने के लिए सैकड़ों लोग उसी पार्क में इकट्ठा हुए। ये लोग आप्रवासियों और हाशिए पर रह रहे समुदायों के समर्थन में आए थे। ओंटारियो फेडरेशन ऑफ लेबर ने अपने फेसबुक पोस्ट में कहा कि क्रिस्टी पिट्स पार्क लंबे समय से फासीवाद विरोधी आंदोलनों का केंद्र रहा है। यह पार्क प्रवासी समुदायों, आदिवासियों, एलजीबीटीक्यू+ समूहों, हिंसा के पीड़ितों, बेघर लोगों, कलाकारों और छात्रों के लिए बेहद महत्वपूर्ण जगह है। नए लोगों को दोष देना गलत- डिना लैड वर्कर्स एक्शन सेंटर की कार्यकारी निदेशक डिना लैड ने आव्रजन विरोधी सोच की निंदा की। उन्होंने कहा कि नए आने वाले लोगों को मकान की कमी, खाने की असुरक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं की समस्याओं के लिए दोषी ठहराना गलत है। डिना लैड ने कहा, 'सच्चाई यह है कि यह समस्याएं अप्रवासियों की वजह से नहीं हैं। हमें सस्ती आवास सुविधाएं नहीं मिल रहीं, फूड बैंक में पर्याप्त खाना नहीं है और हेल्थ सर्विसेज में दिक्कतें हैं। इसके लिए प्रवासी समुदायों को दोषी ठहराना बिल्कुल गलत है।' सड़कों को बंद किया गया, फिर खोला गया प्रदर्शनों

के चलते पुलिस ने अस्थायी रूप से ब्लूर स्ट्रीट वेस्ट के कुछ हिस्सों को बंद कर दिया। इसके अलावा बे स्ट्रीट, यॉन्ग स्ट्रीट और वेल्सले स्ट्रीट के आसपास ट्रैफिक पर असर पड़ा। शाम तक सभी सड़कें फिर से खोल दी गईं जब प्रदर्शनकारी सैंकोफा स्क्वायर की ओर बढ़े। प्रधानमंत्री मार्क कार्नी का बयान इस पूरे घटनाक्रम से पहले ही कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने सप्ताह की शुरूआत में इमिग्रेशन नीति पर चिंता जताई थी। उन्होंने कहा था कि मौजूदा स्तर 'असहनीय' हैं और आव्रजन नीति में बड़े बदलाव की जरूरत है। कार्नी ने कहा, 'हमें अपनी इमिग्रेशन नीतियों को और बेहतर बनाना होगा। यह स्पष्ट है कि मौजूदा स्थिति में सुधार की सख्त जरूरत है।'

'तुम्हारी हत्या हो सकती है', चार्ली किर्क को यूटा यूनिवर्सिटी के कार्यक्रम से पहले ही मिली थी चेतावनी

वॉशिंगटन , सुरक्षा विशेषज्ञ ने किर्क को अपनी सुरक्षा के लिए बुलेटप्रूफ ग्लास पैनल और 700 मीटर के दायरे में किसी की भी निगरानी के लिए मेटल डिटेक्टर लगाने की सलाह दी थी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के करीबी और रूढ़िवादी कार्यकर्ता चार्ली किर्क की बुधवार को यूटा वैली यूनिवर्सिटी में गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, एक शीर्ष सुरक्षा विशेषज्ञ ने चार्ली किर्क को पहले ही चेतावनी दी थी कि अगर चार्ली ने अपनी सुरक्षा को मजबूत नहीं किया तो 100 फीसदी उनकी हत्या हो सकती है। चार्ली को यूटा वैली यूनिवर्सिटी में एक कार्यक्रम के दौरान गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। सुरक्षा एजेंसी प्रमुख ने कई महीने पहले ही दी थी चेतावनी रिपोर्ट के अनुसार, एक सुरक्षा एजेंसी द बॉडीग्रुप ग्रुप ऑफ बेवर्ली हिल्स के मालिक क्रिस हर्जोग ने बताया कि 6 मार्च को कैलिफोर्निया स्टेट यूनिवर्सिटी में उनकी चार्ली किर्क से मुलाकात हुई थी। हर्जोग ने बताया कि 'उन्होंने किर्क को चेतावनी दी थी कि अगर सावधानी नहीं बरती गई तो उनके विश्वविद्यालय के कार्यक्रम के दौरान उनकी 100 फीसदी हत्या हो सकती है।' पुलिस ने शुक्रवार को कहा कि उन्होंने चार्ली किर्क की हत्या के संदिग्ध आरोपी को पकड़ लिया है, जब उसके परिवार के एक सदस्य ने उसे पुलिस के हवाले करने में मदद की। यूनिवर्सिटी के एक कार्यक्रम में चार्ली किर्क की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी 31 वर्षीय किर्क को ओरेम शहर में यूटा वैली विश्वविद्यालय में छात्रों के समूह को संबोधित करते समय गोली मार दी

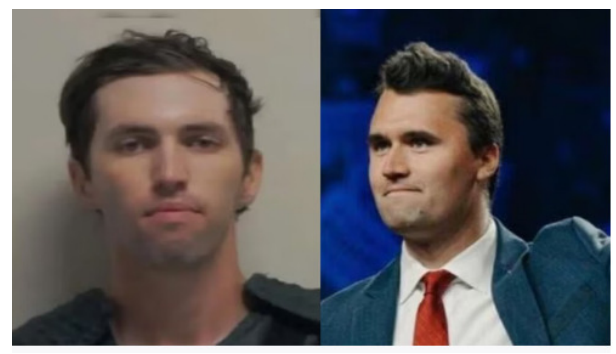

गई थी। किर्क के गर्दन में एक गोली लगी और वे वहीं गिर पड़े। हत्या के संदिग्ध टायलर रॉबिन्सन को गोलीबारी के लगभग 33 घंटे बाद गुरुवार रात हिरासत में ले लिया गया। हर्जोग ने बताया कि किर्क ने उनकी कुछ सलाह मानी, लेकिन उन्होंने हर्जोग से दोबारा संपर्क नहीं किया। उन्होंने बताया 'दुर्भाग्य से उसने मुझसे कभी संपर्क नहीं किया और अब उसकी हत्या की मेरी भविष्यवाणी सच साबित हुई है।' हर्जोग ने बताया कि उनकी टीम के सभी सदस्य मानते थे कि चार्ली किर्क के लिए सुरक्षा पर्याप्त नहीं थी और उनकी हत्या किए जाने की आशंका थी। सुरक्षा विशेषज्ञ ने किर्क को अपनी सुरक्षा के लिए बुलेटप्रूफ ग्लास पैनल और 700 मीटर के दायरे में किसी की भी निगरानी के लिए मेटल डिटेक्टर लगाने की सलाह दी थी।

'यूक्रेन में युद्ध रोकने के लिए रूस पर टैरिफ और प्रतिबंध जरूरी', अमेरिकी सीनेटर ग्राहम ने की मांग

वॉशिंगटन , अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में रूस पर अपना रुख और सख्त किया है। उन्होंने कहा कि अगर युद्ध लंबा खिंचा तो अमेरिका दूसरे चरण के प्रतिबंध लगाने के लिए तैयार है। इसी बीच कई अमेरिकी सीनेटर ने भी यूक्रेन में युद्ध रोकने के लिए रूस पर कड़े प्रतिबंध और टैरिफ लगाने की मांग की है। अमेरिकी रिपब्लिकन सीनेटर लिंडसे ग्राहम ने कहा है कि रूस को यूक्रेन युद्ध रोकने के लिए मजबूर करने का सबसे बड़ा तरीका सख्त प्रतिबंध और टैरिफ लगाना है। उन्होंने जोर देकर कहा कि दुनिया को अब कदम उठाना होगा और इसमें अमेरिका को नेतृत्व करना चाहिए। उन्होंने शनिवार को कहा कि वह और सांसद ब्रायन फिट्जपैट्रिक एक नया कानून लाने जा रहे हैं, जिसके जरिए राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को उन देशों पर भारी टैरिफ लगाने का अधिकार मिलेगा, जो रूस का समर्थन कर रहे हैं। इनमें चीन, भारत और ब्राजील का नाम शामिल है। चीन पर भी आर्थिक दंड लगाने की मांग लिंडसे ग्राहम ने आगे कहा कि चीन सस्ते दामों पर रूस का तेल और गैस खरीदकर 'पुतिन की युद्ध मशीन' को चला रहा है। उन्होंने मांग की कि अमेरिका और उसके नाटो सहयोगी देशों को मिलकर चीन पर कड़े आर्थिक दंड लगाने चाहिए। दोनों सांसद चाहते हैं कि यह प्रस्तावित कानून जल्द ही अमेरिकी कांग्रेस में पास हो और इसे आगामी बजट प्रस्ताव के साथ जोड़ा जाए। लिंडसे ग्राहम के अनुसार, यह अमेरिका और उसके सहयोगियों की संकल्प शक्ति की परीक्षा होगी। राष्ट्रपति ट्रंप ने भी नाटो देशों से की थी अपील इससे पहले, राष्ट्रपति ट्रंप ने नाटो देशों से अपील की थी कि वे तुरंत रूस से तेल खरीदना बंद करें और

रूस के खिलाफ बड़े पैमाने पर संकट लगाएं।

Facebook: https://www.facebook.com/profile.php?id=100063787346044 Twitter: https://twitter.com/mantrabharat?t=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08 Mobile No: 7007837917

मंत्र भारत : RNI-MPHIN/2023/88414 देवांश प्रिंटिंग प्रेस 12/12 विनय नगर सेक्टर-2 ग्वलियर(म.प्र.) से मुद्रित एंव 433 आनंन नगर डबल रोड बहोड़ा ग्वालियर से प्रकाशित एवं सम्पादित।
E-Mail : mantragwalior@gmail.com । सम्पादक : मनीष शुक्ला, मोबाइल : 7007837917 स्थानीय संपादक- आनंद त्रिवेदी । वैधानिक सूचना : मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे का क्षेत्र ग्वालियर न्यायालय होगा।